आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 120 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

इंदौर,
सोमवार,
05 मई,
2025

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले :यात्रा में मिलिट्री बैंड बजा, पारंपरिक नृत्य हुआ

चमोली > बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह 6 बजे खोल दिए गए। मंदिर के रावल (मुख्य पुजारी) ने गणेश पूजा के बाद मंदिर के कपाट खोले। महिलाओं ने लोकगीत गाए। गढ़वाल राइफल्स के बैंड ने पारंपरिक धुनें बजाईं। इसी के साथ चारधाम यात्रा पूरी तरह से शुरु हो गई है। कपाट खुलने के बाद अगले 2 घंटे में 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी पूजन-दर्शन किए। श्रद्धालु अगले 6 महीने तक भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर पाएंगे। दैनिक भास्कर एप आपको बद्रीनाथ धाम के सबसे पहले दर्शन करा रहा है। 3 मई को भगवान बद्रीविशाल की पालकी, आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, कुबेर और उद्धव की उत्सव डोली धाम पहुंची थी। इससे पहले 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री-यमुनोत्री धाम और 2 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए थे।

भारत ने चिनाब का पानी रोका, झेलम का बहाव रोकने की भी योजना

एजेंसी ● नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत सरकार ने सिंधु जल संधि रद्द करने का ऐलान कर दिया था। अब इस फैसले को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने जम्मू के रामबन में बने बगलिहार बांध से चिनाब का पानी रोक दिया है। वहीं कश्मीर में किशनगंगा बांध के जरिए झेलम नदी का पानी रोकने की योजना बनाई जा रही है। जम्मू के रामबन में स्थित बगलिहार बांध और उत्तरी कश्मीर में स्थित किशनगंगा बांध इन नदियों पर भारत को पाकिस्तान से बेहतर स्थिति में रखते हैं। भारत सरकार इन बांधों के जरिए विद्युत उत्पादन करती है और इसके साथ ही यही बांध भारत को इन नदियों में पानी रोकने और छोडऩे की क्षमता प्रदान करते हैं। उधर एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास सात लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, पीएम और एयरचीफ मार्शल के बीच पहलगाम हमले को लेकर बातचीत हुई। वहीं रूस में पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली ने भारत को न्यूक्लियर अटैक की धमकी दी है। इसी बीच पाकिस्तान ने लगातार 10वें दिन एलओसी पर सीजफायर तोड़ा है।

पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर छोटे हथियारों से गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन जारी रखा है। रक्षा प्रवक्ता ने रविवार को यहां कहा कि तीन-चार मई की रात को पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के समीपवर्ती इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने त्वरित एवं उचित जवाब दिया।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के 17 अप्रैल को हिंदू-मुस्लिम को लेकर दिए भडक़ाऊ बयान पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हमने 1947 में तय किया था कि हम भारत नहीं छोड़ेंगे, हमने (मोहम्मद अली) जिन्ना का पैगाम ठुकरा दिया था। भारत हमारी सरजमीं थी, है और इंशाअल्लाह हमेशा रहेगी। पाकिस्तान में जो लोग बकवास कर रहे हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि तुम इस्लाम को नहीं जानते, तुम उसकी तालीम से महरूम हो। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के सदस्य शेर अफजल खान मरवत ने कहा कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध छिड़ता है तो वह इंग्लैंड भाग जाएंगे। दरअसल अफजल पत्रकार के सवालों का जवाब दे रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि अगर भारत के साथ युद्ध होता है तो क्या वह बंदूक लेकर सीमा पर जाएंगे, तो मरवत ने कहा कि अगर भारत के साथ युद्ध होता है तो मैं इंग्लैंड चला जाऊंगा।

भारत ने बढ़ाई ताकत, रूस से Igla-S मिसाइलें खरीदी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी ज्यादा बढ़ गया है। इस बीच भारत ने अपनी ताकत बढ़ाने के लिए रूस से Igla-S मिसाइलें खरीदी हैं। ये छोटी, कंधे पर ले जाने वाली मिसाइलें दुश्मन के निचले स्तर पर उड़ने वाले विमानों, ड्रोन और हेलिकॉप्टरों को मार गिराने में सक्षम हैं। ये मिसाइल पलक झपकते दी दुश्मन के ड्रोन का खात्मा कर सकती है।

केंद्र सरकार ने सेना को आपातकालीन स्थिति में हथियार खरीदने की शक्ति दी है, जिसके तहत यह डील हुई है। लगभग 260 करोड़ रुपये की इस डील से पश्चिमी सीमा पर तैनात सैनिकों की हवाई सुरक्षा मजबूत होगी। इसके साथ ही, भारतीय वायु सेना भी ऐसी ही मिसाइलें खरीदने की योजना बना रही है। सेना पुराने मिसाइलों को भी ठीक करवा रही है और नए ड्रोन का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए सिस्टम लगा रही है।

पिछले कुछ सालों में, भारतीय सेना ने आपातकालीन और तेजी से हथियार खरीदने पर ध्यान दिया है। इसमें हथियारों के स्पेयर पार्ट्स और अन्य उपकरण शामिल हैं, ताकि सेना बिना रुके काम कर सके। Igla-S मिसाइलों के अलावा, भारतीय सेना 48 और लॉन्चर और लगभग 90 VSHORADS (IR) मिसाइलें खरीदने के लिए टेंडर जारी कर चुकी है। सेना लेजर बीम-राइडिंग VSHORADS के नए वर्जन भी खरीदना चाहती है। भारतीय सेना को बड़ी संख्या में मिसाइलों की जरूरत है। साथ ही, उसे ड्रोन का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने की क्षमता भी बढ़ानी है। क्योंकि पाकिस्तान की सेना पश्चिमी सीमा पर ड्रोन का इस्तेमाल करती है।

'देश जैसा चाहता है, वैसा ही होगा...'

पहलगाम अटैक को लेकर राजनाथ सिंह का बड़ा बयान

एजेंसी ● नई दिल्ली

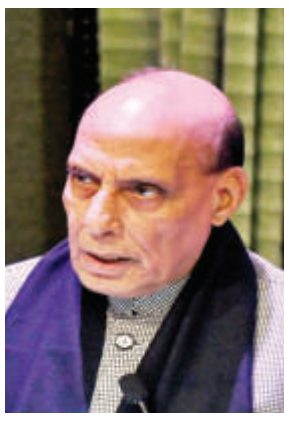

भारत मंडपम में आयोजित संस्कृति जागरण महोत्सव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह पाकिस्तान की कायराना हरकत है और देश इस हमले को कभी नहीं भूलेगा।

उन्होंने कहा, 'जैसा देश चाहता है, वैसा ही जवाब दिया जाएगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में जोखिम उठाने की क्षमता है और वे जानते हैं कि कब और कैसे निर्णय लेना है।'

गौरतलब है कि इससे पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वीर जवानों पर हमले का बदला लेने की बात कही थी। अब रक्षा मंत्री की यह टिप्पणी इस बात की पुष्टि करती है कि भारत जल्द ही बड़ा कदम उठाने जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने देश की सांस्कृतिक विरासत और सनातन धर्म की महत्ता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि संत सुधांशु जी महाराज जैसे तपस्वी संत इस देश की संस्कृति को संरक्षित करने का महान कार्य कर रहे हैं। उन्होंने समाज को जीने की सही प्रेरणा दी है, जो आज के तनावपूर्ण युग में अत्यंत आवश्यक है।

राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि आज की युवा पीढ़ी तकनीकी युग में भी सत्संग और पूजा-पाठ की ओर आकर्षित हो रही है, जो अत्यंत सकारात्मक संकेत है। उन्होंने साधु-संतों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा, "जिस प्रकार सैनिक राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार साधु-संत संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत की रक्षा करते हैं।"

उन्होंने भारत को वीरों की भूमि बताते हुए कहा, 'यह देश तपस्या करना भी जानता है और आवश्यकता पड़ने पर तलवार चलाना भी। हमारे साधु-संतों ने समय-समय पर योद्धाओं की तरह देश और धर्म की रक्षा की है।'

अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी से सिख युवक ने ऑपरेशन ब्लू स्टार पर सवाल किया

राहुल ने माना 1984 का 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' कांग्रेस सरकार की गलती थी

एजेंसी ● नई दिल्ली

पिछले महीने अप्रैल में राहुल गांधी ब्राउन यूनिवर्सिटी के एक ओपन इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान एक कार्यक्रम में सिख युवक ने राहुल गांधी से पुराने बयान का हवाला देते हुए कहा- आप सिखों की बात करते हैं, लेकिन आप सिखों के बीच डर पैदा करते हैं कि बीजेपी क्या करेगी। हमें अभिव्यक्ति की आजादी चाहिए, जो कांग्रेस के राज में नहीं थी।

आज भी कई सज्जन कुमार जैसे लोग

युवक ने आगे कहा- आनंदपुर साहिब रेजोल्यूशन दलित अधिकारों की बात करता है, लेकिन कांग्रेस ने उसे अलगाववादी करार दिया। वहीं कोर्ट ने सज्जन कुमार को सजा दी, लेकिन कांग्रेस में आज भी कई सज्जन कुमार जैसे लोग हैं।

मैं उसकी जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं

राहुल- 80 के दशक में जो हुआ, वो गलत था इस पर राहुल गांधी ने कहा- मुझे नहीं लगता कि सिख किसी चीज से डरते हैं। इतिहास में जो कुछ भी गलत हुआ, मैं उसकी जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं।

सिख दंगों में 3 हजार से ज्यादा सिख मारे गए

सरकारी आंकड़ा 1980 के दशक में इंदिरा गांधी सरकार ने पंजाब में उग्रवाद के खिलाफ ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया था। इसमें भिंडरांवाले की मौत हुई थी और अकाल तख्त को भारी नुकसान पहुंचा था। इसके बाद इंदिरा गांधी की हत्या हुई और देशभर में सिख विरोधी दंगे भड़के। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इन दंगों में 3,000 से ज्यादा सिख मारे गए थे।

हिडन कैमरे से पकड़ी गई नौकरानी

व्यापारी की पत्नी के पर्स से चुराए नकदी, लाखों के जेवरात गायब

संवाददाता ● इंदौर

घटना

इंदौर के हीरानगर इलाके में रहने वाले कपड़ा व्यापारी दिव्यरत्न तिवारी के घर से बीते कुछ दिनों से गहने और नकदी गायब हो रहे थे। शुरुआत में परिजन इस बात को समझ नहीं पाए, बाद में व्यापारी ने घर में हिडन कैमरे लगवाए। रिकॉर्डिंग में घर में काम करने वाली नौकरानी मेघा अलावा पर्स से रुपए चुराते हुए दिखाई दी। घटना सामने आने के बाद व्यापारी ने तुरंत हीरानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मेघा निवासी गौरी नगर के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

पहले भी गायब हुए थे लाखों के गहने

दिव्यरत्न तिवारी का कहना है कि उनके घर में पत्नी अंजलि, माता-पिता और बहन रहते हैं। बीते कुछ दिनों में एक-एक करके कीमती गहने गायब होते गए। जिनमें एक सोने का कड़ा, दो चुड़ी, एक नेकलेस, तीन ब्रेसलेट, एक मंगलसूत्र और नकदी शामिल हैं। उन्हें शक है कि यह सब चोरी भी मेघा ने ही की है।

कैमरे में कैद हुई वारदात

व्यापारी को जब चोरी का संदेह हुआ तो एक सप्ताह पहले घर के अंदर हिडन कैमरे लगवा दिए। कुछ ही दिन में कैमरे में नौकरानी मेघा की करतूत सामने आ गई, जिसमें वह उनकी पत्नी के पर्स से 500 रुपए निकालते हुए साफ दिख रही थी। फिलहाल हीरानगर पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि कैमरे की फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। संभावना है कि पूछताछ में चोरी गए गहनों के बारे में और जानकारी मिल सकती है।

ठक ठक गैंग ने की वारदात, व्यापारी का मोबाइल उड़ाया

शहर में ठक-ठक गैंग ने पलासिया इलाके में एक कपड़ा व्यापारी को निशाना बनाया। बदमाशों ने कार के शीशे पर ठक-ठक कर ध्यान भटकाया और सीट पर रखा व्यापारी का **iPhone** 16 **Pro** पार कर दिया। घटना की शिकायत पर पलासिया पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता अमित पोरवाल, निवासी गुलमर्ग प्राइड, कार से अपने ऑफिस जंजीरवाला चौराहा जा रहे थे। जैसे ही वे इंडस्ट्री हाउस तिराहा पर पहुंचे, तभी ड्राइवर साइड का शीशा किसी ने ठकठकाया और इसी दौरान क्लीनर साइड से एक दूसरा व्यक्ति शीशे पर हाथ मारने लगा। व्यापारी का ध्यान भटकते ही ड्राइवर साइड पर खड़ा व्यक्ति बोला- "गाड़ी आगे बढ़ाओ।" जैसे ही अमित ने कार आगे बढ़ाई, कुछ ही सेकेंड बाद उन्होंने देखा कि उनकी सीट पर रखा **iPhone** 16 **Pro** गायब था। घटना को समझते ही वे तुरंत थाने पहुंचे और मामला दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और बदमाशों को तलाश रही है।

शॉर्ट न्यूज

अवैध कॉलोनियां काटने वाले 19 भूमाफियों पर होगी FIR

इंदौर। प्रशासन अवैध कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ एक्शन ले चुका है। शहर में 16 हेक्टेयर जमीन पर अलग-अलग अवैध कॉलोनी विकसित हो रही थी। इसमें 565 प्लॉट भूमाफिया ने बेचे है। इस तरह के 19 लोगों पर प्रशासन प्रकरण दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले भी प्रशासन 38 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर चुका है। शहर के मास्टर प्लान में ग्रीन बेल्ट की जगह पर अवैध कॉलोनियां काटकर प्लॉट बेचने का काम लंबे समय से जारी है। लोग भी सस्ते प्लॉटों के चक्कर में नोटरियों पर प्लॉट खरीद लेते है, लेकिन वहां नक्शे मंजूर नहीं होते और न ही मूलभूत सुविधाएं मिलती है। अफसरों ने शहर में 19 भूमाफिया को चिन्हित किया जो कॉलोनियों में प्लॉट बेच रहे है। उनके खिलाफ अलग-अलग थानों में शिकायत होगी।

अवैध गर्ल्स होस्टल तो बनेगा जहां शिकायत करना है, करो

इंदौर। शहर में अवैध हॉस्टलों के निर्माण को लेकर लगातार कार्रवाई चल रही है। रहवासियों की शिकायत के आधार पर भी कार्रवाई की जा रही है। त्रिवेणी कॉलोनी में अब गर्ल्स हॉस्टल के खिलाफ रहवासी एकत्रित हुए और धरना प्रदर्शन भी किया, लेकिन उन्हें धमकियां मिल रही हैं। रहवासियों ने बताया कि आश्रम का नाम लेकर अवैध हॉस्टल का निर्माण किया जा रहा है। इसकी हमने नगर निगम में कई बार शिकायतें की हैं। यहां पर निगम के लोग आते हैं और देखकर चले जाते हैं। हमारी सुनवाई नहीं हो रही है। रहवासी क्षेत्र होने के कारण हम नहीं चाहते कि यहां पर गर्ल्स हॉस्टल बने, क्योंकि सभी जानते हैं कि शहर के हालात कैसे हैं और अगर गर्ल्स हॉस्टल यहां पर बनेगा तो माहौल भी खराब होगा। यह बहुत पुरानी कॉलोनी है और हम नहीं चाहते कि इस क्षेत्र में गर्ल्स हॉस्टल बने।

स्ट्रीट डॉग कालू की जुदाई से हर कोई गमगीन

इंदौर। स्ट्रीट डॉग की मौत के बाद लोगों ने विधि-विधान से न सिर्फ उसका अंतिम संस्कार किया बल्कि शोक स्वरूप पोस्टर्स भी लगाए। हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार उसकी तेरहवीं पर मृत्युभोज रखकर कॉलोनी के सारे श्वानों को खाना परोसा गया। मामला स्कीम 78, अरण्य नगर का है। यहां के रहवासियों और दुकानदारों को कालू नाम के श्वान से बहुत लगाव था। उसकी उम्र करीब 14 साल थी और पिछले माह बीमार होने के साथ एक दुर्घटना में घायल भी हो गया। इस पर उसे प्राइवेट वेटरनरी हॉस्पिटल में दिखाया गया। उसे चार दिनों तक ड्रिप चढ़ी और इंजेक्शन भी लगाए गए, लेकिन हालत में कोई खास सुधार नहीं हुआ और 23 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। रहवासी विजयेंद्र शर्मा ने बताया कि कालू के जाने से सभी दुखी हैं। कालू के रहते कभी चोरी नहीं हुई। धनराज राजलवाल ने बताया कि कालू की याद में विधिवत मृत्युभोज दिया गया।

भागवत ऐसी दिव्य औषधि, जिसका कोई साईड इफेक्ट नहीं

शोभायात्रा के साथ गोराकुंड स्थित मदन मोहन मंदिर पर सात दिवसीय भागवत ज्ञान यज्ञ एवं पुष्टीमार्गीय सत्संग का शुभारंभ

संवाददाता ● इंदौर

शुभारंभ

भागवत कथा हम हजारों वर्षों से सुनते आ रहे हैं, फिर भी यह हमेशा नूतन एवं प्रेरक अनुभूति देती है। भगवान की भक्ति निर्मल मन से ही संभव है, दिखावटी भक्ति का कोई महत्व नहीं। भगवान तभी प्रसन्न होंगे, जब हमारी भक्ति में लगन और निष्ठा होगी। भागवत ऐसा दिव्य ग्रंथ है, जो बिना किसी भेदभाव और पक्षपात के मनुष्य मात्र का कल्याण करता है। यह ऐसी दिव्य औषधि है, जिसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। भागवत और भगवान का नाम सदैव अमर है। सनातन धर्म की मजबूती ही आज की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। ये प्रेरक विचार हैं युवा भागवताचार्य श्री अनुराग मुखिया के, जो उन्होंने एम.जी. रोड, गोराकुंड स्थित मदन मोहनजी मंदिर पर मंदिर परिवार एवं भागवत कथा समिति और फूल मंडली के तत्वावधान में आयोजित भागवत कथा रसपान महोत्सव एवं पुष्टीमार्गीय सत्संग के शुभारंभ सत्र में व्यक्त किए। इसके पूर्व बड़ा गणपति से भागवती एवं विद्वान वक्ता की शोभायात्रा निकाली गई। कथा स्थल मदन मोहन मंदिर सैकड़ों श्रद्धालुओं शोभायात्रा की अगवानी की। बड़ी संख्या में वैष्णव संप्रदाय के श्रद्धालुओं ने परंपरागत वेशभूषा में शामिल होकर भागवतजी का पूजन किया। कथा का यह प्रवाह 10 मई तक प्रतिदिन दोपहर 4 से सायं 7 बजे तक गोराकुंड स्थित मदन मोहन मंदिर (सागर ज्यूस के पास) पर जारी रहेगा।

भागवताचार्य अनुराग मुखिया ने कहा कि संसार में व्यक्ति के मरने के बाद भी उसके कर्म और गुणों के कारण उसका नाम अमर होता है। कलियुग में हरि का नाम और सत्संग सबसे सरल साधन बताए गए हैं। भागवत ऐसा अनुपम और दिव्य ग्रंथ है, जिसकी छत्रछाया में आने के बाद मनुष्य के सभी तरह के पाप कर्मों का नाश हो जाता है। भागवत स्वयं भगवान की वाणी है और पांच हजार वर्षों के बाद भी देश के गांव-गांव और शहर-शहर में भागवत की गूंज बने रहना इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि भागवत और भारत, भगवान और भक्ति एक-दूसरे के पर्याय और पूरक हैं, इनकी महत्ता कभी कम नहीं हो सकती।

इंदौरी भी चख सकेंगे कोंकण के हापुस आम का स्वाद

इंदौर। कोंकण के हापुस आमों की असली किस्म को इंदौर के लोग चख सकेंगे। वहां के 25 से ज्यादा किसान हापुस आमों को इंदौर के मैंगो जत्रा में लाएंगे। मराठी सोशल ग्रुप ट्रस्ट का जत्रा इंदौर में 9 से 11 मई तक ग्रामीण हाट बाजार, साउथ तुकोगंज पर लगने जा रहा है। तीन दिनों तक सुबह 9 से रात्रि 10 तक शहरवासी सीधे किसानों से हापुस आम खरीद सकेंगे और उसकी विभिन्न किस्मों का स्वाद भी ले सकेंगे। ग्रुप के सुधीर दांडेकर, राजेश शाह ने बताया कि मेंगो जत्रा में 25 से अधिक आम उत्पादक हिस्सा लेंगें । इस बार भी कृषक बढ़ चढ़ कर मेंगो जत्रा में हिस्सा लेने के लिए पहुंच रहे है । 2013 में मात्र 5 कृषकों से प्रारम्भ हुए मेंगो जत्रा को लेकर इस बार कोंकण के किसान उत्साहित है।

विधवा, तलाकशुदा और दिव्यांगों का परिचय सम्मेलन 1 जून को

इंदौर। म.प्र. वैश्य महासम्मेलन द्वारा शहर में पहली बार रवीन्द्र नाट्य गृह में 1 जून को विधवा, विधुर, तलाकशुदा, दिव्यांग एवं अधिक उम्र के अविवाहित प्रत्याशियों का अ.भा. परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें अब तक विधवा-विधुर एवं तलाकशुदा प्रत्याशियों की 375 प्रविष्टियां मिल चुकी हैं, जबकि 355 प्रत्याशी ऐसे हैं, जिनकी आयु 37 वर्ष से अधिक हो चुकी है। ये सभी इस सम्मेलन में देशभर से आने वाले प्रत्याशियों में से जीवनसाथी की तलाश करेंगे। सम्मेलन में अग्रवाल, माहेश्वरी, जैन, खंडेलवाल, मोढ़, नागर चित्तौड़ा, विजयवर्गीय, नीमा, पोरवाल, गहोई वैश्य सहित करीब 25 समाजों के प्रत्याशी शामिल होंगे। देश के 200 से अधिक केंद्रों पर इस परिचय सम्मेलन के प्रविष्टि पत्र उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इंदौर में होने वाले इस परिचय सम्मेलन के लिए मप्र, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तरप्रदेश सहित देश के हिंदी भाषी 12 राज्यों के अलावा विदेश में कार्यरत प्रत्याशियों से भी प्रविष्टियां प्राप्त हो रही हैं। इन सभी प्रविष्टियों को एक परिचय पुस्तिका के रूप में सचित्र प्रकाशित करने का काम भी शुरू किया जा चुका है।

शिक्षिका ने दिव्यांगों के स्कूल को लगाया 8.97 लाख का चूना, डेटा भी चुराया

संवाददाता ● इंदौर

एमआईजी पुलिस ने दिव्यांग बच्चों के स्कूल में महिला टीचर के खिलाफ संस्था का डिजिटल डेटा चोरी करने और बच्चों की स्कूल व ट्यूशन की फीस की जालसाजी करने के मामले में केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि टीचर ने करीब 8 लाख से ज्यादा का गबन किया था। एमआईजी पुलिस ने पार्थ वूमन स्पेशल चाइल्ड डेवलपमेंट सोसायटी की अध्यक्ष गर्विशा जैन की शिकायत पर जावरा कंपाउंड निवासी शिवानी ठाकुर के खिलाफ जालसाजी का केस दर्ज किया है।

पुलिस को गर्विशा ने बताया कि 5 साल पहले सोसायटी की स्थापना की गई थी। तब से श्रीघा स्कूल संचालित किया जा रहा है। इसमें शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की भर्ती हुई है। इसमें शिवानी को टीचर की भूमिका तय की गई। इस स्कूल में कम्प्यूटर एडिटिंग सहित अन्य शिक्षा दी जाती है। शिवानी ही बच्चों से ट्यूशन और स्कूल फीस अपने पास जमा करती थी। वह अपना काम ठीक से नहीं कर रही थी। विद्यार्थी ने इस मामले में कई बार शिकायत की। सह-शिक्षिकाओं से भी व्यवहार ठीक नहीं रखा। कई बार पदाधिकारियों ने चेतावनी भी दी। इसके बाद शिवानी ने 24 अक्टूबर 2023 को ई-मेल के माध्यम से त्यागपत्र भेजा गया। उससे तीन माह के नोटिस पीरियड पर काम करने की बात कही गई लेकिन उसने इनकार कर दिया।

कई ट्रांजैक्शन अपने अकांउट में किए

शिवानी से जमा पूंजी की जानकारी मांगी गई तो उसने देने में आनाकानी की। जब लेखा-जोखा संस्था के सामने दिया गया तो उसमें कही भी फीस की इंट्री नहीं मिली। बच्चों द्वारा अदा की गई फीस की इंट्री मांगने पर पता चला कि शिवानी ने कई ट्रांजैक्शन अपने अकांउट में किए हैं। इसके बाद पाया शिवानी के कार्यकाल में 8 लाख 97 हजार की फीस का इसी तरह गबन किया है। जांच करने पर कमेटी ने बताया कि दिव्यांग बच्चों का निजी डिजिटल डेटा, संस्था की कार्यप्रणाली का डेटा चुराकर उसे बेचकर अवैध लाभ भी कमाया गया। इस बारे में शिवानी ने जानकारी मांगी तो उसने माफी मांगते हुए रुपए वापस करने की बात कही लेकिन फरवरी 2024 तक जब उसने रुपए नहीं दिए तो संस्था के लोगों ने उससे बात की। शिवानी ने धमकी दी कि अगर उससे या परिवार से रुपए की मांग की जाती है तो वह सुसाइड कर लेगी और उनके नाम लिखकर सभी को फंसा देगी। इसके बाद संस्था ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि शिवानी उन्हें झूठे आरोप लगाकर फंसा सकती है। इस पर शिवानी के खिलाफ पूरे डॉक्यूमेंट लेने के बाद पुलिस ने जालसाजी और गबन के मामले में केस दर्ज किया है।

कायस्थम ने चित्रगुप्त प्रकटोत्सव पर पूजन, हवन और भंडारा किया

संवाददाता ● भोपाल

कायस्थम, मध्यप्रदेश द्वारा रविवार को प्रोफेसर कॉलोनी स्थित चित्रगुप्त मंदिर में भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्रकटोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूजन, हवन के बाद महा आरती हुई तथा प्रसादी वितरण और भंडारा भी हुआ। सभी कार्यक्रम प्रोफेसर कॉलोनी के संकट मोचन हनुमान मंदिर स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर में हुए। इस अवसर पर कायस्थम के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य और अन्य सदस्य तथा अन्य कायस्थजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कायस्थम की ओर से चित्रांश बंधुओं को चित्रगुप्त जी का कैलेंडर भी भेंट किया गया।

पद्मश्री डॉ. वाकणकर जयंती मनाई गई, व्याख्यानमाला एवं चित्रकला प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

सीएम ने पुरातत्वविद के सम्मान में किया अभ्यारण का नामकरण

संवाददाता ● भोपाल

पद्म श्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ने न सिर्फ पुरातत्व और चित्रकला के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की बल्कि सम्राट विक्रमादित्य के गौरवशाली शासन काल की विशेषताओं को सामने लाने का कार्य भी किया। यह बात विक्रमादित्य शोध पीठ,उज्जैन के पूर्व निदेशक, पद्मश्री भगवतीलाल राजपुरोहित ने आज डॉ. वाकणकर शोध संस्थान, संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा स्टेट म्यूजियम में प्रो. वाकणकर की जयंती पर आयोजित की गई व्याख्यानमाला के अवसर पर कही। कार्यक्रम में चित्रकला स्पर्धा के प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

प्रो. राजपुरोहित ने कहा कि डॉ. वाकणकर ने पं. सूर्यनारायण व्यास, प्रो. सुमन और अन्य विद्वानों द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के योगदान से जनसामान्य को अवगत करवाने की परम्परा का निर्वहन किया। इस क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन्होंने वर्ष 2007 से उज्जैन में विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के नाते विक्रमोत्सव के आयोजन को प्रारंभ करवाया। यही नहीं उज्जैन में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य मंचन की शुरूआत और बाद में अनेक प्रदर्शनों की उपलब्धि भी प्राप्त की गई। मुख्यमंत्री के रूप में डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से नई दिल्ली में भी गत माह महानाट्य के तीन सफल मंचन का विशेष कार्य संपन्न हुआ है। कार्यक्रम में

वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के आठवें टाइगर रिजर्व रातापानी अभ्यारण्य का नाम डॉ विष्णु श्रीधर वाकणकर जी के नाम पर घोषित करने की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने प्रख्यात पुरातत्वविद और चित्रकार डॉ. वाकणकर की सेवाओं का मूल्यांकन कर उन्हें यथोचित सम्मान दिया है।

व्याख्यानमाला में प्रो. सीताराम दुबे, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व अध्ययन शाला, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय ने "भारतीय इतिहास लेखन के परिवर्तित होते प्रतिमान और पुनर्आवश्यकता" (डॉ. वाकणकर के योगदान के संदर्भ में) विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि प्रत्येक पीढ़ी अतीत का स्मरण करती है और इससे वर्तमान की समस्याओं का समाधान भी प्राप्त करती है। डॉ. वाकणकर ने संवत् प्रवर्तक सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल की सील (मुद्रांक) को सामने लाकर महत्वपूर्ण शोध का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने भीमबैठका के शैलचित्रों की खोज एवं अनुसंधान का ऐतिहासिक कार्य किया। यहीं नहीं लुप्त सरस्वती नदी के प्रवाह की गुजरात में खोज कर सैंधव सरस्वती सभ्यता के तथ्य को प्रकाश में लाने का कार्य किया। प्रो. दुबे ने ब्रिटिश काल से लेकर अब तक इतिहास लेखन की प्रवृत्तियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। पुरातत्व संचालनालय की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

शॉट न्यूज

सालाना चोरी हो जाते हैं 10 करोड़ के मोबाइल, दुबई से नेटवर्क

इंदौर। शहर में हर वर्ष 10 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के मोबाइल गुम या चोरी हो जाते हैं। इनमें से केवल 3 करोड़ रुपये के मोबाइल ही पुलिस द्वारा बरामद किए जा पा रहे हैं। हाल ही में, इस सप्ताह क्राइम ब्रांच ने 45 लाख रुपये के मोबाइल फोन बरामद किए और उन्हें उनके असली मालिकों को सौंपा गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शेष मोबाइल इसलिए बरामद नहीं हो पाते क्योंकि या तो उन्हें तोड़कर पुर्जों में बेच दिया जाता है या फिर वे नेपाल जैसे देशों तक पहुंचा दिए जाते हैं, जहां से उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। देशभर में चोरी हुए मोबाइल फोनों का एक व्यापक और सुनियोजित मार्केट है, जिसमें इंदौर भी एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर कर सामने आया है। आंकड़ों के मुताबिक, इंदौर से हर साल 10 करोड़ से अधिक के मोबाइल चोरी, लूट या गुम हो जाते हैं। पिछले साल, क्राइम ब्रांच ने 3 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के लगभग 1100 मोबाइल बरामद किए थे।

चोरी का आरोप लगाने पर युवक को फलिया मारकर किया घायल

इंदौर। एरोड्रम इलाके में एक आरोपी ने अपने नौकरो के साथ मिलकर युवक पर हमला कर दिया। युवक द्वारा आरोपी के एक नौकर पर चोरी का इल्जाम लगाए जाने से खफा होकर आरोपी और उसके नौकरो ने फलिया व लाठियों से हमला कर युवक को लहूलुहान कर दिया। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक घटना कृष्ण वाटिका कालोनी छोटा बांगड़दा स्थित आरोपी विष्णु चौहान के गाय भैसो के बाड़े की हैं। मामले में कड़ाबीन बड़ा गणपति निवासी विजय पिता देवेंद्र रावल की शिकायत पर आरोपी विष्णु चौहान, तरुण व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं। फरियादी ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि आरोपी विष्णु चौहान मुझसे बोला कि तुम मेरे नौकर पर चोरी का आरोप क्यों लगाते हो। इसपर मैने बोला कि मेरे सेठ के यहां पूर्व मे चोरी हुई थी इस कारण से मैने आसपास के सभी नौकरो से पूछताछ की थी तभी विष्णु चौहान के दो नौकर आये और ये तीनो गालियां देने लगे।

कैंसर उपकरणों में देरी के चलते अधर में हैं मरीज

इंदौर। मप्र सबसे विशाल और सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है, लेकिन अब यह कैंसर केअर क्षेत्र में सकारात्मक उपचार देनें में लडखडा रहा है। अत्याधुनिक उपचारों की मांग विशेष रुप से रेडिएशन थेरपी की मांग बढ़ रही है तथा सार्वजनिक आरोग्य सुविधाएं इस गती से काफी दूर है। काफी कम पर्यायों के चलते कई मरीजों को महंगे निजी अस्पतालों में जाकर इलाज करना पड़ता है, यह पर्याय दूरदराज के इलकों और निम्न आय के लोगों के लिए काफी कठीन होता है। फिलहाल राज्य में रेडिएशन थेरपी के लिए केवल एक ही सार्वजनिक लिनियर एक्सेलरेटर (लिनैक) मशीन उपलब्ध है, यह मशीन एम्स भोपाल में स्थित है और यह मशीन केंद्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एचएलएल द्वारा खरीदीं गई है। इस के कारण इलाज की उपलब्धता में विशाल अंतर बन चुका है विशेष रुप से सरकार द्वारा चलाए गए अस्पताल जो अधिकतर जनसंख्या को सेवाएं देते है।

शाकिर चाचा के खिलाफ धमकाने का एक और केस

इंदौर। शहर में फिर एक बार धमकाने संबंधी मामले में हिस्ट्री शीटर शाकिर चाचा का नाम सामने आया है। पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर फरियादी की शिकायत पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि चंदनबाला रोड निवासी अब्दुल वाहिद नामक ने शाकिर चाचा निवासी श्रीनाथ टावर के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। उनका कहना है कि जनवरी को शाकिर चाचा मुझसे चंदन नगर चौराहे पर मिला। मैंने उसे मेरे दोस्त अमजद का प्लांट बिकवाने की बात की तो उसने प्लांट के कागजात ले लिए, लेकिन दो महीने तक सौदा नहीं हुआ तो मैंने कागजात वापस लौटने को कहा। इस पर 2 लाख की डिमांड की गई। मैंने मना किया तो आरोपी धमकाने लगा।

सोमवार को भी खुला रहेगा मेघदूत उपवन, बंद पड़े फाउंटेन शुरू

संवाददाता ● इंदौर

निगम आयुक्त शिवम वर्मा और जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर शनिवार को अधिकारियों के साथ मेघदूत उपवन का दौरा करने पहुंचे। यहां विकास और हरियाली से जुड़े कामों का निरीक्षण किया गया। पहले चरण में, लंबे समय से बंद पड़े फाउंटेन को दोबारा शुरू करना, जहां-जहां टाइल्स और पेवर ब्लॉक खराब या उखड़े हुए थे उन्हें ठीक कराना, दीवारों पर सौंदर्यीकरण के लिए पेंटिंग कराना और नर्सरी का विस्तार करना शामिल था। आयुक्त ने इन सभी कामों की समीक्षा की। इसके अलावा, ओपन जिम की स्थापना और गार्डन में लाइटिंग जैसी सुविधाओं के विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद शरद पवार, अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, अभय राजनगांवकर, उद्यान प्रभारी नागेंद्र भदौरिया, चेतन पाटील एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

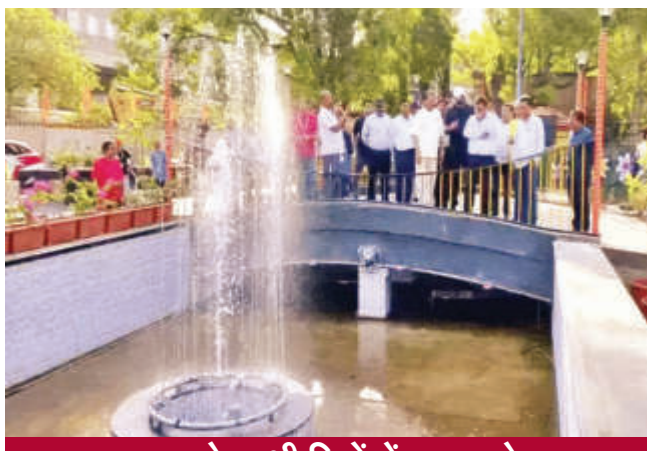

सप्ताह के सभी दिनों में खुला रहेगा

मेघदूत उपवन शहर का एक ऐतिहासिक और प्रमुख उपवन है, जो सालों से नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नगर निगम इसके पुनर्निर्माण और संधारण के लिए लगातार प्रयासरत है। आयुक्त और जनकार्य प्रभारी ने नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उपवन को सप्ताह के सभी दिनों में खुला रखने के निर्देश दिए हैं। पहले यह उपवन प्रत्येक सोमवार को बंद रहता था, लेकिन अब यह हर दिन खुला रहेगा।

गुलाब का गार्डन विकसित - दूसरे चरण में, मेघदूत उपवन के पीछे की ओर, जहां पहले से फूड कोर्ट और पुल मौजूद हैं, वहां और आसपास के इलाके में विकास कामों के संबंध में योजना तैयार करने के लिए कहा गया है। नर्सरी को कबीटखेड़ी स्थानांतरित करने और उस जगह पर गुलाब का एक सुंदर गार्डन विकसित करने के लिए कहा गया है। आयुक्त और जनकार्य प्रभारी ने आईडीए की खाली पड़ी जमीन पर आकर्षक और सुव्यवस्थित उद्यान विकसित करने की योजना पर भी चर्चा की। इस संदर्भ में, पीपीपी मॉडल के तहत उद्यान के रखरखाव की संभावनाओं का परीक्षण कर जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

वर्षा जल सहेजने की प्लानिंग

निगम आयुक्त ने शनिवार को तालाब की चैनलों पर चल रहे कामों का निरीक्षण किया। सीएम की मंशा शहर के तालाबों, कुएं और बावड़ियों के जीर्णोद्धार और बारिश के पानी को सहजने के लिए नगर निगम लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में आयुक्त ने मुख्यमंत्री जल गंगा समुद्र अभियान के तहत बारिश के पानी की एक-एक बूंद को सहेजने के लिए तालाबों की चैनलों पर चल रहे कामों का निरीक्षण किया। निगम बिलावली तालाब में बारिश के पानी लाने के लिए ओमेक्स सिटी बायपास मुंडी तालाब से होते हुए राऊ बिलावली चैनल का काम कर रही है। 2800 मीटर तक अभी काम हो चुका है, 1600 मीटर का काम बाकी है। इस तरह वार्ड 77 में नेहरु वन ग्राम होते हुए मोरोद केलोद करतार से बिलावली तालाब वाली चैनल का 2500 मीटर का काम होना बाकी है। आयुक्त ने बारिश के पहले पूरा काम करने के लिए कहा है। निरीक्षण में अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, अधीक्षण यंत्री विवेश जैन, नदीम खान, सहायक यंत्री आकाश जैन और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

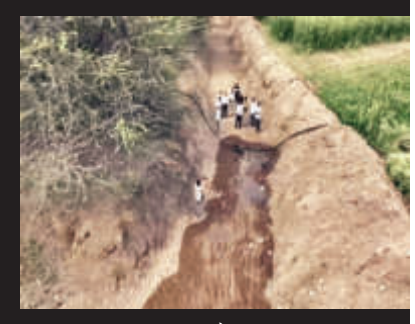

निगम की प्राकृतिक जंगल में मानव निर्मित वन बनाने की योजना का विरोध

नेहरू और रीजनल पार्क तो पहले ही कर चुके बर्बाद

संवाददाता ● इंदौर

विरोध

नगर निगम पोलोग्राउंड में भारत वन और तालाब बनाने की योजना लेकर आया है। महापौर की इस घोषणा और यहां पर किए दौरे के बाद से रहवासियों का विरोध शुरू हो गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के मुताबिक यह वन 36 एकड़ में तैयार होगा। भार्गव का कहना है कि शहर के मध्य एक ऐसा वन तैयार किया जाए जो शुद्ध पर्यावरण के साथ-साथ इंदौर के लिए 'लंग्स' का कार्य करे। इस क्षेत्र को पूरी तरह हरित क्षेत्र में बदला जाएगा। साथ ही यहां एक बड़ा तालाब भी निर्मित किया जाएगा। यह वन शहर के मध्य हिस्से में कान्ह नदी के किनारे बनेगा।

कई कॉलोनी के रहवासी पहुंचे

समर्थ मठ पंत वैद्य कालोनी में कई कॉलोनी के रहवासी इकट्ठे हुए और उन्होंने एक सुर में इस योजना का विरोध किया। बैठक में जती कॉलोनी, रामबाग, नारायण बाग से लेकर तिलक पथ व आसपास के क्षेत्र के रहवासियों ने पुरजोर तरीके से नगर निगम की इस योजना का विरोध किया।

अब कोई छेड़छाड़ नहीं सहेंगे

पर्यावरणविद डॉ. दिलीप वाघेला ने कहा कि इस संपूर्ण क्षेत्र के कारण ही आसपास तापमान बेहद कम रहता है और हवा भी बेहद साफ रहती है। यहां पर किसी भी प्रकार का प्रयोग नहीं करना चाहिए। अनुराग फड़के ने कहा आज यहां पर कई कॉलोनियों के रहवासी एकजुट हुए हैं। हम चाहते हैं कि कोई भी वहां पर किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करे।

नेहरू पार्क और कान्ह नदी को किया बर्बाद

इस मौके पर अशोक पाटणकर, नेताजी मोहिते, नितिन शुक्ल, अनिल मोढक, सुधीर दांडेकर, सुबोध काटे, वैशाली खरे, रवि आयंगर, शुभांगी काटे, स्वाति बोरगांवकर आदि ने भी निगम की योजना का तर्कसंगत विरोध किया। इनका आरोप था कि नगर निगम रीजनल पार्क, मेघदूत गार्डन और नेहरु पार्क को तो ठीक से संभाल नहीं पाया और न ही कान्ह नदी को साफ कर पाया। अब इस 38 एकड़ के सघन हरियाली वाले क्षेत्र के पेड़ उखाड़कर पुनः नए तरीके से पौधारोपण करना कहां का तर्क है? इस क्षेत्र के सभी रहवासी स्वयं इस प्राकृतिक वन में वृक्षारोपण कर सकते हैं। इसमें पुराने पेड़ उखाड़कर नए लगने का कोई औचित्य नहीं है। वृक्षों का पुनर्स्थापन 95% असफल रहता है तो निगम द्वारा वृक्षों का पुनर्स्थापन भी खोखला दावा है।

उधार के भरोसे चल रहा निगम

इंदौर। सरकार से नगर निगम को किसी तरह की कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है। अपर आयुक्तों का भारी भरकम बोझ नगर निगम पर थोप रखा है वो अलग। पद से अधिक पदस्थ हैं जिनके वेतन, वाहन और अन्य खर्च का भारी बोझ है लेकिन जो नगर निगम का अधिकार वाला पैसा है वह भी निकायों में तो वेतन वितरण से ही हो पाता है। शासन से किसी तरह की फंडिंग लाने में निगमायुक्त सफल नहीं हुए हैं। वर्तमान में एक बार फिर से ओव्हर ड्राफ्ट लेकर वेतन आहरण किया जा सका है। सारी कमाई पोर्टल से होती है। दो चार मदों को छोड़ दिया जाए तो बाकी की इन्कम पोर्टल पर दिखने चली राशि के आधार पर ही होती है। यदि इसी माह शीघ्र ही पोर्टल ई पालिका 2 प्रारम्भ नहीं हुआ तो सारे कार्य ठप्प हो जाएंगे।

झुलसा रही गर्मी रात का तापमान 26 के पार

इंदौर। शहर में पिछले तीन दिनों से रात का तापमान भी लगातार 26 डिग्री से ज्यादा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अभी दो दिन गर्मी के तेवर तीखे ही रहेंगे। इस दौरान तापमान 42 डिग्री के आसपास बना रहेगा। पिछले साल मई में सबसे ज्यादा तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। शहर में अभी पारा लगातार 40 के पार चल रहा है और लोग गर्मी और उमस से परेशान हैं। इंदौर में अप्रैल के आखिरी दिनों में 28 अप्रैल को पारा 42 डिग्री के पार गया और मई की शुरुआत में भी यही हाल हैं। गुरुवार को दिनभर तेज गर्मी रही और तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रहा। रात में भी गर्मी का असर काफी ज्यादा रहा। वहीं शनिवार को दिन का पारा 41.4 डिग्री रहा और रात का पारा 26.4 डिग्री रहा। रविवार को भी सुबह गर्मी से राहत मिली।

चौथा दिन : डीएवीवी कर्मियों की आज बेमियादी हडताल

संवाददाता ● इंदौर

आंदोलन

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय स्ववित्त संस्थान कर्मचारी (गैर शिक्षक) संघ द्वारा किये गये आंदोलन का शनिवार को तीसरा दिन था। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कर्मचारी विरोधी रवैये के कारण आंदोलन तीसरे दिन में प्रवेश कर गया। देश के स्वच्छतम शहर इंदौर के ए प्लस विश्वविद्यालय में स्ववित्त संस्थानों के कर्मचारियों का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार देवी अहिल्या विश्वविद्यालय स्ववित्त संस्थान कर्मचारी (गैर शिक्षक) संघ के सदस्य सुबह 10 बजे तक्षशिला परिसर के मुख्य द्वार पर एकत्रित हुए और जमकर नारेबाजी की। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय प्रशासन के नकारात्मक रवैया के कारण कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। फलस्वरूप संघ द्वारा आगामी दिनों में आंदोलन को उग्र करने की रणनीति बनाई जा रही है। इसके अंतर्गत सोमवार से अनिश्चितकालीन हडताल पर रहेंगें। साथ ही सोमवार को कर्मचारियों द्वारा एकत्रित हो कर कुलगुरू निवास का घेराव कर थाली, कटोरी, चम्मच बजा कर प्रदर्शन की नीति बनाई जाएगी। साथ ही तीन माह से वेतन की राह देख रहे कर्मचारियों द्वारा भोजन व्यवस्था की मांग की जाएगी। प्रर्दशन मांग पुरी होने तक जारी रहेगा।

शनिवार के धरना प्रदर्शन में कर्मचारियों के बीच में देवता अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण शिंदे, प्रसिद्ध समाजसेवी अजय चोरड़िया, डॉ मनीष सितलानी, (विभागाध्यक्ष, विधि अध्ययनशाला), डॉ कन्हैया आहूजा, (विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र अध्ययनशाला), डॉ दीपक मेहता (शिक्षक), डॉ मनीषकांत आर्य (शिक्षक), डॉ. सखाराम मुजाल्दे, (राष्ट्रीय शिक्षा नीति समिति के नवनियुक्त सदस्य) आंदोलनरत कर्मचारियों के बीच पहुंचे तथा उनकी जायज मांगों को समर्थन देकर हौसला बढाया। संघ के अध्यक्ष दीपक सोलंकी, महासचिव गजेंद्र परमार, उपाध्यक्ष मुकेश गुप्ता और जितेन्द्र भाटिया, सचिव सोहेल परवेज, संतोष मौर्य, मनीष कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष विनय यादव तथा कार्यकारिणी सदस्य मुकेश यादव, अब्दुल रज्जाक खान, लोकेश बारूपाल, रामेंद्र सिंह पुंडीर, सनी देवड़ा, देवी प्रसाद यादव, अब्दुल वहाब खान, सचिन वर्मा, जितेंद्र पाठक आदि आंदोलन में सक्रिय हैं।

बंदूक चुराई, दो टुकड़े किए और तालाब में फेंक दी

संवाददाता ● इंदौर

कनाड़िया थाना क्षेत्र में बंदूक ढूंढने के लिए तालाब खाली कराने का मामला सामने आया था। पुलिस का कहना है कि पानी को खाली नहीं बल्कि शिफ्ट किया है। रहवासियों ने शिकायत की है उसे भी दिखवा रहे हैं। दरअसल 21 अप्रैल को ओम सांई विहार कॉलोनी खुडैल निवासी प्रहलाद पटेल ने शिकायत की थी। बताया था कि वह केयरवेल कंपनी चेतर सेंटर में गार्ड की नौकरी करता है। उसकी ड्यूटी बिचौली मर्दाना पर गनमैन के रूप में रहती है। 13 अप्रैल को वह अपनी 12 बोर की बंदूक वहीं भूल गया था।

अगले दिन वह नहीं मिली। कनाड़िया पुलिस ने उसकी रिपोर्ट पर चोरी का मामला दर्ज किया था। जांच में पता चला कि उसकी बंदूक को दूसरे गार्ड अनंत सिंह चौहान और ऋषिराज दुबे ने चोरी कर ली थी। शिकायत की जानकारी मिलने पर उन्होंने बंदूक के दो टुकड़े कर तालाब में फेंक दी थी। इसी बंदूक को तलाशने के लिए तालाब को खाली कराया गया था।

बंदूक मिल गई - एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि सिक्योरिटी गार्ड ने लाइसेंसी बंदूक चोरी होने की शिकायत की थी। केस दर्ज कर जांच की गई। पूछताछ में पता चला कि बंदूक चोरी कर तालाब में फेंक दिया था। एडिशनल डीसीपी ने बताया तालाब में पानी और गाद थी। पहले गोताखोर की मदद से बंदूक निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन गाद ज्यादा होने से गोताखोर उसमें फंस सकता था। ऐसी स्थिति में तालाब के ही साइड में खाली जगह पानी को शिफ्ट किया गया तो बंदूक मिल गई।

मेट्रो के ट्रायल रन का रास्ता साफ ब्रिज के पास रखा आखिरी स्पान

संवाददाता ● इंदौर

गांधी नगर मेट्रो डिपो से 17 किलोमीटर दूर रेडिसन चौराहे तक मेट्रो कोच के ट्रायल रन का रास्ता साफ हो चुका है। इस रूट पर आखिरीस्पान मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने रख दिया है। दरअसल इस रूट परपटरियां बिछाने के काम भी 80 प्रतिशत हो चुका है, लेकिन सुपर कॉरिडोर पर रेलवे ब्रिज के समीप मेट्रो ट्रैक का एक सेगमेंट में स्पान छूटा हुआथा। शनिवार को 11 किलोमीटर हिस्से में ट्रालीट्रायल भी हो गया। यह आखिरी स्पान भी मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी एस कृष्ण चैतन्य की मौजूदगी में रख दिया गया। अब उस पर ट्रैक, सिग्नल का काम शुरू होगा। इस कवायद के बाद मेट्रो कोच का ट्रायल रन 17 किलोमीटर लंबाई में हो सकेगा। अफसरों ने छह माह का लक्ष्य इस हिस्से तक ट्रायल रन के लिए रखा है। एमडी चैतन्य ने मेट्रो डिपो, स्टेशन का दौरा किया और अफसरों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि कुर्मेडी स्टेशन पर सबसे ज्यादा यात्रियों का दबाव होगा, क्योंकि इस स्टेशन से बस स्टेशन भी जुड़ा रहेगा। यहां यात्रियों की संख्या को देखते हुए व्यवस्थाएं जुटाना होगी। उन्होंने तय समय में प्रोजेक्ट से जुड़े सारे कामों को करने के लिए कहा है। मेट्रो के छह किलोमीटर हिस्से में ट्रेन का संचालन कम शुरू होगा।

टैक्स वसूली पर ब्रेक : 22 करोड़ के राजस्व की चपत

एक महीने से बंद पोर्टल ने उड़ा दिए निगम के होश

संवाददाता ● इंदौर

शहर को डिजिटल सिटी बनाने के दावों के बीच नगर निगम का टैक्स पोर्टल बीते एक महीने से बंद पड़ा है। 1 अप्रैल से पोर्टल बंद होने के कारण न तो झोन कार्यालयों में और न ही मुख्यालय में करों की राशि जमा हो पा रही है। निगम प्रशासन ने यह पोर्टल नए वित्तीय वर्ष का डेटा अपलोड करने के उद्देश्य से बंद कर कहा था कि कुछ दिनों में इसे फिर से चालू कर दिया जाएगा, लेकिन अप्रैल का पूरा महीना बीत जाने के बाद भी ऐसा नहीं हो सका। परिणामस्वरूप नगर निगम को इस एक महीने में करीब 22 करोड़ के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ा है।

टैक्स

बता दें कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव के कार्यकाल में अब तक पेश किए गए तीन बजट में से दो बार इंदौर को डिजिटल बनाने का वादा प्रमुखता से रखा गया। इस दिशा में नगर निगम ने कई योजनाएं भी तैयार कीं, लेकिन हालात यह हैं कि कर वसूली जैसे बुनियादी काम भी ऑनलाइन नहीं हो पा रहे हैं। पोर्टल बंद होने से नागरिक एडवांस टैक्स की छूट का लाभ लेने के लिए निगम कार्यालय पहुंचते हैं, लेकिन वहां से उन्हें बिना भुगतान किए लौटना पड़ रहा है। पूरे अप्रैल महीने में निगम की आय पर असर पड़ा है, जबकि आमतौर पर इस महीने में 20 से 22 करोड़ रुपये का कर निगम को प्राप्त होता है।

भोपाल से मदद की आस, लेकिन समाधान नहीं

नगर निगम के अधिकारियों ने पोर्टल की बहाली के लिए कई बार भोपाल स्थित उच्च अधिकारियों से संपर्क किया है। हर बार यही आश्वासन मिला कि «बस कुछ ही दिनों में पोर्टल शुरु हो जाएगा», लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम नहीं निकल पाया है। एक ओर नगर निगम को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों की समस्याएं भी बढ़ रही हैं। कई प्रकार के टैक्स जैसे सम्पत्ति कर, जल कर, आदि जमा नहीं हो पाने से न तो लोगों को रसीद मिल रही है और न ही रिकॉर्ड अपडेट हो पा रहे हैं।

डाउनसाइजिंग का अपना ही अपसाइड भी होता है!

कुछ साल पहले जब मेरी बेटी की शादी होने वाली थी, तो मेरी पत्नी ने मुख्य हॉल में हमारे 28 साल पुराने फर्नीचर को बदलने का फैसला किया। हालांकि मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं था। मैं उस फर्नीचर से दो कारणों से भावनात्मक रूप से जुड़ा था। वे किसी यूज-एंड-थ्रो शोरूम से नहीं लाए गए थे कि उनकी लकड़ी टूट गई हो या रंग फीका पड़ गया हो। वे ठोस साग की लकड़ी से बने थे। वे हमारे संघर्ष के दिनों की कई यादों को बयां करते थे, जब हमने बहुत सोच-विचार और चचाओं के बाद उन्हें एक-एक कर बनवाया था। इसलिए वे अलग दिखाई देते थे। जाहिर है कि वे एक फर्नीचर-सेट की तरह नहीं दिखते थे और इसके बजाय समय-समय पर जुटाई गई चीजों की तरह नजर आते थे।

यही मुख्य कारण था कि मेरी पत्नी उन्हें बदलकर एक ही डिजाइन वाला फर्नीचर-सेट चाहती थी। डिजाइनर ने ऑर्डर लिया और चला गया। लेकिन नया फर्नीचर आने तक उसने हमें पूरा हॉल खाली करने का काम सौंप दिया। यह मेरे लिए एक मुश्किल चुनौती थी। सौभाग्य से, हम एक ऐसी स्त्री को जानते थे जो अपने करियर में संघर्ष कर रही थीं और मुंबई शिफ्ट होने जा रही थीं। उनका तलाक हो चुका था और वे आर्थिक रूप से इतनी मजबूत नहीं थीं कि अपने घर को उसी स्तर पर फिर से बना सकें, जैसे घर में उनके वैवाहिक जीवन के दौरान वे और उनके दो बच्चे रहते थे।

एक मामूली नौकरी के साथ बच्चों को वह सुविधा देना उनके लिए कठिन था। हमने अपना फर्नीचर बदलने का फैसला करने से पहले ही उनसे यह वादा कर दिया था कि हम सेटल होने में उनकी मदद करेंगे। उनके सेटल-डाउन होने के लगभग दो सालों के दौरान उन्होंने हमसे कुछ सामान लिया, लेकिन सभी नहीं, क्योंकि उनका घर बहुत छोटा था। लेकिन उन्होंने हमें सुझाया कि हमें इसके लिए सही लोगों की तलाश करनी चाहिए, जो ऐसी चीजों को बहुत पसंद करेंगे- रसोई के मिक्सर से लेकर छत के पंखों और डाइनिंग टेबल से लेकर सोफा सेट तक।

मेरा यकीन कीजिए, हर बार जब मैं उन अलग-अलग विनम्र लोगों के पास जाकर उनसे

एक मामूली नौकरी के साथ बच्चों को वह सुविधा देना उनके लिए कठिन था। हमने अपना फर्नीचर बदलने का फैसला करने से पहले ही उनसे यह वादा कर दिया था कि हम सेटल होने में उनकी मदद करेंगे। उनके सेटल-डाउन होने के लगभग दो सालों के दौरान उन्होंने हमसे कुछ सामान लिया, लेकिन सभी नहीं, क्योंकि उनका घर बहुत छोटा था। लेकिन उन्होंने हमें सुझाया कि हमें इसके लिए सही लोगों की तलाश करनी चाहिए, जो ऐसी चीजों को बहुत पसंद करेंगे-

कुछ साझा करता था, तो मेरा मामूली घर मुझे महल की तरह लगते लगता था। मेरी लिखने की मेज पाने वाले प्राप्तकर्ता ने कहा, मैं अपने पिता के लिए ऐसी ही मेज खरीदना चाहता था ताकि वे बैठकर अपना सुबह का अखबार पढ़ सकें। अपने बूढ़े घुटनों के चलते वे फर्श पर बैठकर नहीं पढ़ पाते हैं। मेरी आंखों में एक मिनट के लिए तब आंसू आ गए, जब मैंने उन बुजुर्ग व्यक्ति की आंखों में देखा। मेज पर बैठकर वे उतने ही रोमांचित थे, जैसे कोई बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने को पाकर होता है।

एक और आंटी थीं, जिन्हें नहीं पता था कि एक किचन-मैट उनके दुखते पैरों को आराम दे सकता है। वे नियमित रूप से तस्वीरें भेजती थीं कि कैसे वे खड़े रहकर खाना पकाती हैं और उन्हें ऐसे व्यंजन बनाना पड़ता है, जिनके लिए घंटों खड़े रहकर समय देना पड़ता है। एक दिलचस्प घटना तब हुई, जब एक मां ने हमें दिल से धन्यवाद दिया। उनका बेटा पढ़ाई में कम दिलचस्पी रखता था, लेकिन मेरी बेटी की स्टडी टेबल का इस्तेमाल करने के बाद वह पढ़ाई को लेकर गंभीर हो गया और उसने अच्छे अंक प्राप्त किए। मुझे नहीं पता था कि एक साधारण-सी स्टडी टेबल भी किसी में पढ़ने की रुचि पैदा कर सकती थी। उन अनुभवों ने हमें अपने घर में ऐसे और भी खजानों को ढूंढने पर मजबूर कर दिया, और जो कुछ भी हमने पाया उसे आखिरकार अपना नया घर मिल गया। जूते के स्टैंड से लेकर बगीचे की कुर्सियों तक, कुछ भी कबाड़ में नहीं गया। उन सभी के उपयोग के साल लंबे खिंच गए। जब प्राप्तकर्ता आज भी वॉट्सएप पर उन चीजों की तस्वीरें साझा करते हैं, तो मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि मेरे पास जो सामान था, वह दूसरों को खुशी दे रहा है। फंडा यह है कि जब आप अपनी कई बार इस्तेमाल किया हुआ और कभी-कभी अपेक्षाकृत नया सामान भी किसी को देते हैं, तो वे बदले में लौटकर आपको कुछ अच्छी यादें और बेहतरीन कहानियां देते हैं। और इसलिए मुझे लगता है कि डाउनसाइजिंग में भी अपसाइड होने की कहानी निहित होती है, जिसमें किसी

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

सच्चे दिल से जब कोई मांगता है तो मदद जरूर मिलती है

एडिट.नोट

मांग के साथ तुम्हारा, मैंने मांग लिया संसार'- बहुत पुराना, बहुत यादगार गाना है। लेकिन हम में से कई लोग हैं जो शान से कहते हैं- मैं किसी से कुछ नहीं मांगता। जो मेरे पास आ गया, वो ठीक। उनकी सेल्फ-इमेज है कि मैं स्वावलम्बी हूं, किसी के आगे हाथ नहीं फैलाऊंगा। शायद हमारे देश में ये ज्यादा गर्व की बात है क्योंकि आमतौर पर मांगना हम एसोसिएट करते हैं भीख से। सड़क पर गाड़ी रुकी तो किसी ने शीशा खटखटाया और हाथ में कटोरा लिए खड़ा है। ज्यादातर लोग नजर फेर लेते हैं, सिग्नल हरा होते ही गाड़ी बढ़ा लेते हैं।

भीख वो इंसान मांगता है, जो बेबस और लाचार है। हम अपने को लाचार नहीं समझते। अच्छी बात है। लेकिन क्या हर स्थिति में कुछ मांगना गलत है? चलिए, देखते हैं जीवन की कुछ आम सिचुएशंस, जिनमें हम मांगने से कतराते हैं। तब उसका नतीजा क्या होता है। आप नौकरी करते हैं। ईमानदार हैं, मेहनती हैं, चुपचाप अपना काम कर रहे हैं। आपका कलीग आपसे कम क्वालिटी का काम करता है मगर बॉस को मक्खन लगाता है। इसलिए उसको प्रमोशन मिला, आपको नहीं। मन ही मन आप कुढ़ रहे हो, लेकिन फिर भी आप चुप। तो क्या करें? बॉस के पास जा कर रोना-धोना या गुस्सा करने से तो फायदा होगा नहीं। अगर आप उनका अटेंशन पाना चाहते हो तो ये जरूर मांग सकते हो- एक चैलेंज। कोई ऐसा काम जो कोई नहीं करना चाहता, या जो बहुत कठिन है। आप कहिए- गिव इट टु मी।

बॉस चौंक जाएंगे- ये कौन बंदा है? चाहे अभी कोई ऐसा असाइनमेंट ना भी हो, उनकी नजर में तुम्हारे लिए मान बढ़ जाएगा। और जिस दिन उनके पास वो काम आता है, आपका नाम उनके दिमाग में आएगा। अब वो असाइनमेंट पूरा दिल और दिमाग लगाकर करना है। शायद थोड़ा मुश्किल भी हो, डर लग रहा हो कि हो पाएगा या नहीं, तो ऐसे वक्त में आपको फिर से हिम्मत करनी पड़ेगी। ऑफिस में, या ऑफिस के बाहर कोई सीनियर्स होंगे, या जानकार। उनसे मदद मांगनी होगी। विनम्रता से, शिष्टाचार से। आपको आश्चर्य होगा, कोई ना कोई राजी हो जाएगा। अगर कोई ना भी मिले, तो इंटरनेट से मदद मांग लीजिए। आपके सोशल मीडिया सर्कल में कई ऐसे लोग हैं, जिनसे परिचय गहरा नहीं। पर ऐन वक्त पर वो आगे बढ़कर आपकी मदद कर सकते हैं। और तो और, ऑनलाइन वर्ल्ड में तो अजनबी भी कभी-कभी एक फरिश्ता बनकर आ जाता है।

शायद आपको विश्वास नहीं इस बात पर, तो आजमाकर देखिए। सृष्टि का नियम है, सच्चे दिल से जब कोई मदद मांगता है तो कोई मदद करता है। वो कब, कहां, कैसे होगा, ये भगवान की माया है। इसी तरह एक दिन आप भी किसी की मदद करेंगे। हिसाब-किताब मत रखिए, ये मनुष्य की समझ के बाहर की बात है। खैर, ये तो था एक एग्जाम्पल। आशा है कुछ मांगते या कुछ देते समय आप ₹भीख' शब्द मन में नहीं लाएंगे। वैसे हम क्यों मांगने से कतराते हैं? क्योंकि डर है हमें सामने वाला मना कर देगा, हमारे ईगो को चोट लगेगी। लेकिन दुनिया का कोई भी बड़ा काम शर्मा-शर्मी से नहीं हुआ है।

शार्क टैंक पर जो आता है, इनवेस्टमेंट मांगता है। कुछ लोग रिजेक्ट हो जाते हैं, लेकिन वो कहते हैं इससे कुछ सीखा। अगली बार और अच्छा प्रजेंट करेंगे, बिजनेस को बढ़ा करेंगे। जिसने आज मना किया, वो कल पछताएगा कि हाय मैंने कितना अच्छा मौका खो दिया जाएगा। पैसा नहीं मिला, कोई नहीं, जोश तो मिला। तो मांगने से ना डरिए- ना किसी इंसान से, ना ही भगवान से। हां, भगवान से भी भीख न मांगिए। कि मैंने पढ़ाई नहीं की, पास करवा दो। भाई, गणित का उसूल है- कोई भी संख्या गुणा जीरो = जीरो। इसलिए आपके पास होने की इच्छा गुणा जीरो मेहनत = जीरो। इस समीकरण को हमारे परमपिता भी नहीं बदल सकते। तो मांगिए भगवान से अधिक शक्ति। मेरे हर काम में घुली हो भक्ति। आपका हाथ मेरे सर पर है; मेरे अंदर डर ना है। आने दो कोई कठिनाई, मुझसे लड़ना होगा भाई। मांग के देखो ये वरदान, बन जाओ उत्कृष्ट इंसान।

एन रघुरामन - लेखक

आपसे मदद चाहने वालों की गरिमा भी सुरक्षित रखें

सीताबुर्डी, नागपुर की भिड़े रोड नामक इस छोटी-सी गली में कोई भी ज्यादा अमीर नहीं था, लेकिन हम अपने पड़ोसियों की तुलना में थोड़े बेहतर थे। हमारा घर दूसरों से बड़ा दिखता था, क्योंकि उसमें कम अव्यवस्था थी, उसकी दीवारें हमेशा सफेद होती थीं जिन पर नियमित रूप से चूना लगाया जाता था और मां घर को चमचमाता, साफ-सुथरा रखती थीं, जिससे आने-जाने वालों को हमारी अमीरी का एहसास होता था। जहां ज्यादातर लोग सड़क के किनारे की दुकान से 10 पैसे प्रति घंटे के हिसाब से साइकिल किराए पर लेते थे, वहीं हमारे घर में एक सेकंड हैंड साइकिल थी और घर के बाहर उसे साफ रखना मेरा काम था। ये छोटी-छोटी चीजें घर की खूबसूरती बढ़ाती थीं और इसलिए हम पड़ोसियों से ज्यादा समृद्ध दिखते थे। यह अलग बात है कि साइकिल हमारे घर के लिए एक अच्छा वाहन थी और मैं होलसेल कॉटन मार्केट से गर्व के साथ उसे धक्का लगाकर लाता था। हमारे कम से कम दो पड़ोसी ऐसे थे, जो हमारे बाजार से लौटने पर हमेशा उत्सुक दिखते थे। उनकी उत्सुकता यह नहीं थी कि हम क्या खरीदते हैं, बल्कि यह थी कि हम इतना क्यों खरीदते हैं?

1960 और 70 के दशक में मात्र एक रुपए में मौसम के हिसाब से 10 से 16 किलो टमाटर या फूलगोभी मिल जाते थे। चूंकि मेरे पिता नौ भाई-बहनों में सबसे बड़े थे और मेरे दादा का घर संगम चॉल में सिर्फ एक किमी दूर था, इसलिए जब भी कीमतें गिरतीं, पिता हमेशा उस परिवार के लिए कुछ न कुछ खरीद देते थे। रेलवे में होने के कारण उन्हें कीमतें पहले से पता चल जाती थीं, क्योंकि सब्जियां नागपुर और वर्धा के बीच चलने वाली लोकल ट्रेनों में लदकर आती थीं। इसलिए वे सब्जियां खरीदकर उनका एक बड़ा हिस्सा दादा-दादी के बड़े परिवार के पास पहुंचा देते थे, जिसके बारे में पड़ोसियों को कभी पता नहीं चलता था। उन्हें लगता था हम इतने अमीर हैं कि सब्जियां और खाने-पीने की चीजें खरीद सकते हैं। इसलिए वे अक्सर मेरी मां से कुछ न कुछ मांगते रहते थे। मेरी मां का दिल बड़ा था, इसलिए उनसे जितना मांगा जाता, उससे ज्यादा वो दे देती थीं और इससे मुझे चिढ़ होती थी। वे मुझे यह कहते हुए अनदेखा कर देती थीं कि ह्यतुम इसे समझने के लिए बहुत छोटे हो।ह्ल और अचानक एक दिन मैंने उन्हें पड़ोसियों से कुछ मांगते हुए देखा। कम से कम मेरे लिए तो यह बहुत ही असामान्य दृश्य था। मुझे गुस्सा आ गया। जब वे लौटीं तो मैंने उनसे कहा, ह्यआपने उन लोगों से ऐसी छोटी-मोटी चीजें क्यों मांगीं?ह्ल चूंकि मांएं समझदार होती हैं और उम्र के साथ-साथ वो और भी समझदार होती जाती हैं, इसलिए उन्होंने अपनी बुद्धिमानी भरी मुस्कान के साथ मेरी ओर देखा और कहा, ह्यचलो मैं तुम्हें एक कहानी सुनाती हूंह्ल। उन्होंने बालाकुमारन की तमिल कहानी ह्याकरईओर मुदलैगलह्ल उठाई, जिसका अर्थ है ह्यनदी के किनारे मगरमच्छह्ल। यह कहानी इस बारे में है कि मगरमच्छ नदी के किनारे आराम कर रहे होते हैं और उनके दांतों के बीच मांस फंसा होता है। तब सारस उनके खुले मुंह में किसी दंत चिकित्सक की तरह घुसकर उनके मसूढ़ों को साफ करते हैं। मगरमच्छ कभी नहीं सोचते कि सारसों को भी खाया जा सकता है। जब मगरमच्छ का बच्चा आता है और सारस पर हमला करने की कोशिश करता है, तो उसकी मां उसे धक्का दे देती है। दांतों को साफ करने के बाद भी सारस मगरमच्छों के बीच गर्व से चलता रहता है और कभी भी खतरा महसूस नहीं करता। कहानी सुनाकर मां ने कहा, ह्यहमारे पड़ोसी अकसर हमसे कुछ मांगते हैं। समय-समय पर, मैं भी उनसे कोई छोटी और मामूली चीज मांग लेती हूं, ताकि उन्हें लगे कि हमें भी उनकी जरूरत है। इस तरह, वे अधिक सहज महसूस करेंगे। उनके लिए हमसे वह मांगना आसान हो जाएगा, जिसकी उन्हें जरूरत है। उस दिन मैंने समझा कि एकजुटता का मतलब सिर्फ देना नहीं होता। यह उन लोगों की गरिमा को बनाए रखना भी होता है, जो हमसे मांगते हैं। यह मानवीय रिश्तों को संतुलित करना सीखने के बारे में है ताकि कोई भी दूसरे से कमतर महसूस न करे। फंडा यह है कि एक बढ़ा हुआ हाथ और एक बड़ा दिल किसी भी मदद चाहने वाले को हमारे बराबर बना सकता है और इस तरह एक मजबूत कम्युनिटी बनाने में हमारी मदद करता है।

बिजनेस

विदेशी निवेशकों का इस हफ्ते 10000 करोड़ का निवेश; एसबीआई ने ब्याज से कमाए 1.20 लाख करोड़

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी एफपीआई ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, जो घरेलू इक्विटी में विदेशी रुचि की मजबूत वापसी को दशार्ता है। एनएसडीएल के अनुसार, एफपीआई ने 28 अप्रैल से 2 मई के बीच 10,073 करोड़ के शेयर खरीदे हैं।आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दिसंबर के बाद अप्रैल में पहली बार निवेश हुआ है। इस दौरान कुल 4,223 करोड़ के शेयर खरीदे गए हैं। मार्च में 3,973 करोड़ के शेयर बेचे थे।

जनवरी व फरवरी में क्रमशः 78,027 करोड़ रुपये और 34,574 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी।देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को जनवरी-मार्च तिमाही में 18,643 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले समान तिमाही के 20,698 करोड़ की तुलना में यह 10 फीसदी कम है। पूरे समूह का फायदा 8 फीसदी कम होकर 19,600 करोड़ रहा। हालांकि, इसी दौरान बैंक ने कर्ज पर ब्याज से 1,19,666 करोड़ की कमाई की है। बैंक ने बताया, पूरे वित्त वर्ष में फायदा 16% बढ़कर 70,901 करोड़ रहा। शुद्ध बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए घटकर 0.47% रह गया। निदेशक मंडल ने 15.90 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने की घोषणा की है।

वहीं, निजी क्षेत्र के कोटक बैंक को मार्च तिमाही में 3,552 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही की तुलना में यह 14 फीसदी कम है। पूरे वित्त वर्ष में मुनाफा बढ़कर 16,450 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने बताया, शुद्ध एनपीए 0.31 फीसदी रहा है। पूरे समूह का फायदा 8 फीसदी घटकर 4,933 करोड़ रहा। निदेशक मंडल ने 2.50 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने की घोषणा की है।

धोखाधड़ी से निपटने के लिए सेबी की मदद करेगा आईसीएआई : नंदा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का शीर्ष संगठन भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) अब वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने में बाजार नियामक सेबी की मदद करेगा। आईसीएआई प्रेसिडेंट चरणजोत सिंह नंदा ने कहा, संस्थान एक कार्य समूह का गठन करेगा और वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के संबंध में विभिन्न पहलुओं को अंतिम रूप देने के लिए सेबी के साथ विचार-विमर्श करेगा।

नंदा ने शुक्रवार को सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे से मुलाकात की। नंदा ने कहा, भारत एक बहुत ही अनुकूल निवेश स्थल है। लोग भारत में निवेश करना चाहते हैं और आम लोगों ने अपनी बचत को सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे साधनों में लगाया है। सेबी के लिए निवेशकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। नंदा ने कहा, आईसीएआई संकटग्रस्त जेनसोल इंजीनियरिंग और उसकी सहयोगी कंपनी ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के वित्तीय विवरणों की समीक्षा छह महीने में पूरी कर लेगी। जेनसोल इंजीनियरिंग की फंड गबन और गवर्नेंस मामले में सेबी जांच कर रहा है। सेबी ने पिछले सप्ताह कंपनी के प्रमोटर अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी को विभिन्न उल्लंघनों के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है।

राज-काज

भारत ने पाकिस्तान से रोके सभी आयात

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान से वस्तुओं के किसी भी तरह के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर तत्काल रोक लगा दी है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से 02 मई को जारी एक अधिसूचना विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में एक प्रावधान जोड़ा गया है। इसके तहत अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान में पैदा हुए या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर रोक लगा दी गई है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा कि यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक हितों को देखते हुए लिया गया है। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि इस प्रतिबंध से छूट में किसी भी अपवाद के लिए भारत सरकार की मंजूरी की जरूरत होगी।सरकार ने यह कदम पिछले महीने पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद उठाया है। इस बर्बर हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे।

आरबीआई ने आईसीसीआई, एक्सिस और तीन अन्य प्रमुख बैंकों पर क्यों लगाया भारी जुमार्ना

मुंबई। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को आईसीसीआई, एक्सिस और तीन अन्य प्रमुख बैंकों पर बड़ी कार्रवाई की। आरबीआई ने एक आदेश जारी कर बताया कि उसने कुछ नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए कछकछक बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और एक्सिस बैंक सहित पांच ऋणदाताओं पर जुमार्ना लगाया है। आरबीआई के मुताबिक, बैंकों में साइबर सुरक्षा ढांचे, अपने ग्राहक को जानें (ङउ) और क्रेडिट-डेबिट कार्ड जारी करने और प्रक्रियाओं को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (फ्हक) की ओर से जारी कुछ निदेशों का पालन न करने के लिए कछकछक बैंक पर 97.80 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है।

ऐसे ही बैंकों की ओर से प्रदान की जाने वाली वित्तीय सेवाओं और बैंकों में ग्राहक सेवा पर कुछ निदेशों का पालन न करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा पर 61.40 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। आईडीबीआई बैंक लिमिटेड पर किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए प्राप्त कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए अल्पकालिक ऋण के लिए ब्याज सहायता योजना पर कुछ निदेशों का पालन न करने के लिए 31.8 लाख रुपये का

जुमार्ना लगाया गया है। केवाईसी पर कुछ निदेशों का पालन न करने के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर 31.80 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। एक्सिस बैंक पर भी आंतरिक या कार्यालय खातों के अनधिकृत संचालन पर कुछ निदेशों का पालन न करने के लिए 29.60 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

आरबीआई ने और क्या कहा?

सभी मामलों में आरबीआई ने कहा कि जुमार्ना विनियामक अनुपालन में कमियों की वजह से लगाया गया है। इसका उद्देश्य बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय लेना नहीं है।

शेयर बाजार गुलजार, सेंसेक्स ने 800 अंक से ज्यादा की लगाई छलांग, निफ्टी 24500 के पार

मुंबई। छुट्टी के एक दिन बाद और हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गुलजार दिखाई दिया। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स ने 400 अंक से ज्यादा की छलांग लगाई, जबकि निफ्टी 24400 अंक के पार कारोबार करता दिखा।भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की प्रबल संभावना, अप्रैल में रिकॉर्ड उच्च जीएसटी संग्रह और निरंतर विदेशी फंड प्रवाह के बीच शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल आया। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख ने भी इक्विटी में सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया। 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क शुरूआती कारोबार में 500.81 अंक बढ़कर 80,743.05 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 110.65 अंक बढ़कर 24,444.85 पर पहुंच गया। बाद में सेंसेक्स 816.41 अंक बढ़कर 81,064.47 अंक पर और निफ्टी 222.30 अंक चढ़कर 24,556.50 पर पहुंचा। सेंसेक्स की कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स ने करीब पांच फीसदी की छलांग लगाई। कंपनी ने मार्च तिमाही के शुद्ध लाभ में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए साल-दर-साल उच्च राजस्व वृद्धि पूर्वानुमान भी जारी किया। इसमें मजबूत वृद्धि का हवाला दिया गया।

मारुति, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल और महिंद्रा एंड महिंद्रा भी फायदे में रहे। नेस्ले, टाइटन, बजाज फिनसर्व और हिंदुस्तान यूनिलीवर पिछड़ते नजर आए। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 50.57 करोड़ रुपये के इक्विटी खरीदे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, टोक्यो का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि शंघाई एसएसई कंपोजिट सूचकांक मामूली रूप से गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए।

शुरूआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77 पैसे बढ़कर 83.77 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू इकाई डॉलर के मुकाबले 83.98 पर खुली। समय के साथ इसे बढ़त हासिल की और 83.77 डॉलर पर पहुंच गई। यह पिछले बंद के मुकाबले 77 पैसे ज्यादा है। बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 42 पैसे बढ़कर 84.54 पर पहुंच गया।

मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को नई दिल्ली स्थित पटियाला हाउस कोर्ट में लाया गया।

खेती को लाभदायक बनाने के लिए विदेशी तकनीक से लेकर स्थानीय जुगाड़ तक को प्रोत्साहित कर रही है राज्य सरकार

कृषि एवं उद्यानिकी में तकनीकों से बढ़ाएंगे उत्पादन क्षमता : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से सम्पन्न हो रहा है। नीति आयोग के अनुसार मध्यप्रदेश, देश में सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला राज्य है। आने वाले समय में प्रगति की गति और तेज होने वाली है। राज्य सरकार कृषकों को बिजली में आत्मनिर्भर बनाने जा रही है। अब किसान सौर ऊर्जा से स्वयं बिजली बनाएंगे और पम्प चलाएंगे। उनके द्वारा अपनी आवश्यकता से अधिक बिजली पैदा करने पर राज्य सरकार किसानों से बिजली खरीदेगी और उसका भुगतान भी करेगी। किसानों को मात्र 10 प्रतिशत राशि पर सोलर पम्प उपलब्ध कराए जाएंगे। पांच, तीन, दो हार्स पॉवर तक के सौर पम्प के लिए मात्र 10 प्रतिशत राशि जमा कराने पर शेष राशि राज्य सरकार द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना से किसानों को बिजली के बिल से मुक्ति मिलेगी। तीन साल में 32 लाख सोलर पम्प उपलब्ध कराए जाएंगे। किसान, कृषि पम्प चलाने, घर में बिजली के उपयोग या अन्य प्रयोजनों के लिए अपनी बिजली स्वयं बना सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीतामऊ (मंदसौर) में कृषि उद्योग समागम : 2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदसौर, नीमच क्षेत्र के किसानों द्वारा ली जा रही विविधतापूर्ण उपजों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा इसे प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ही सीतामऊ में उन्नत कृषि पर केन्द्रित यह आयोजन किया गया।

प्रगति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदेशी तकनीक से लेकर स्थानीय जुगाड़ तक को प्रोत्साहित करते हुए खेती को फायदेमंद बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। हम उन्नत खेती को उद्योग का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं, इसीलिए कृषि उत्पादों के उचित मूल्य, लंबे समय तक संधारण और स्थानीय स्तर पर खाद्य प्रसंस्करण की सुविधा उपलब्ध कराकर किसानों का लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रयास जारी हैं। मध्यप्रदेश में संतरा, केला सहित कई महत्वपूर्ण उत्पाद बड़ी मात्रा में होते हैं। इनकी ब्रांडिंग भी हमारे प्रदेश के नाम पर हो, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी किसानों को उन्नत कृषि अपनाने और बागवानी, फलोद्यान, प्रसंस्करण सहित कृषि से जुड़ी अन्य गतिविधियां अपनाते हुए सम्पन्न बनने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने का संकल्प दिलाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नरवाई जलाने की जानकारी सेटेलाइट के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। गेहूं की फसल के बाद बचे अवशेष में आग लगाने से खेत की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से नरवाई जलाने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के निराकरण के लिए मशीनें उपलब्ध कराई जा रही है और उन पर अनुदान की व्यवस्था भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ों परियोजना से उज्जैन संभाग के सभी किसानों की जिन्दगी बदलेगी। हर खेत तक सिंचाई के लिये पानी पहुँचेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में गौपालन को प्रोत्साहित कर दुग्ध उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जा रही है। गौमाता हमारी संस्कृति की प्रतीक हैं, गाय-भैंस पालन को प्रोत्साहित करने के लिए 25 गाय-भैंस पालने पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। देश के कुल दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का उत्पादन वर्तमान में 9 प्रतिशत है, इसे हमें 20 प्रतिशत तक ले जाना है। किसानों को 200 गाय-भैंस पालन अर्थात 8 यूनिट तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। दूध-दही हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है, 'जिसके घर गाय वह गोपाल और जिस के घर गाय का कुल वह घर गोकुल' का भाव हमारा परिवेश में रचा-बसा है। अच्छी खेती के साथ दूध उत्पादन, बागवानी, फलोद्यान जैसी गतिविधियां बढ़ाने के लिए भी राज्य सरकार अनुदान उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपना जीवन उपयोगी बनाने के लिए, किसान खेत की एक-एक इंच जमीन को बेहतर बनाएं। प्रदेश के हर जनपद में एक-एक वृंदावन गांव विकसित किया जाएगा, जहां उन्नत कृषि के लिए विशेष प्रोत्साहन के साथ स्कूल-कॉलेज सहित सभी अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बेसहारा, लावारिस, अपाहिज गौमाता की देख-रेख के लिए 20 रूपए के स्थान पर 40 रूपए प्रति गाय की दर से अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार ने आपदा में तत्काल मदद करने के उद्देश्य से एयर एम्बुलेंस सेवा का संचालन आरंभ किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि विगत दिनों ही गांधी सागर क्षेत्र में चीते छोड़े गए हैं। इससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय निवासियों को होम-स्टे सहित अन्य पर्यटन गतिविधियों के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। कृषि, बागवानी, उद्योग-धंधों, धार्मिक सहित सभी प्रकार की पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रदेशवासियों की आय बढ़ाना राज्य सरकार का उद्देश्य है और इस दिशा में प्रतिबद्धतापूर्वक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिला, गरीब, युवा और किसान सभी का जीवन बेहतर बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है।

कृषि और उद्यानकी के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है प्रदेश : मंत्री कुशवाह

उद्यानकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है, प्रदेश में कृषि और उद्यानकी के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है राज्य शासन का प्रयास कृषि के साथ उद्यानकी के क्षेत्र में नवीन उन्नत तकनीकी अच्छी गुणवत्ता के बीज का प्रयोग करके उत्पादन को बढ़ावा देना है। उत्पादित माल की मूल्य संवर्धन के लिए खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने का कार्य मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार में अनेक अनुदान योजनाएं संचालित की जा रही है किसानों को उनके उत्पादन का बेहतर लाभ प्राप्त हो सके। इसके लिए क्रेता विक्रेता सेलर्स मीट का आयोजन राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्यानकी में बहुत तेजी से बढ़ोतरी हुई है प्रदेश मसाला फसलों का उत्पादन में देश में अग्रणी राज्य बन गया है राज्य सरकार का प्रयास है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की मध्यप्रदेश में स्थापना करके उत्पादित माल की बेहतर कीमत किसानों को प्राप्त हो सके। उन्होंने कृषि उद्योग समागम को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन प्रदेश में अन्य स्थानों पर भी किए जाएंगे।

95 करोड़ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 33 करोड़ 14 लाख से निर्मित (सीएम राइज स्कूल) महर्षि सांदीपनी विद्यालय भवन का चंदवासा एवं 33 करोड़ 49 लाख की लागत से निर्मित महर्षि सांदीपनी विद्यालय भवन का लदुना का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 19 करोड़ 31 लाख रुपए की लागत से निर्मित सुवासरा रुनिजा गुराडिया कला मार्ग का लोकार्पण एवं 9 करोड़ 10 लाख की संयुक्त तहसील कार्यालय भवन कयामपुर का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि, उद्यानिकी, उद्योग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान किये। कृषि उद्योग समागम में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, मंदसौर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सदस्य श्री बंशीलाल गुर्जर सहित विधायक, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, एसीएस उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री अनुपम राजन, एमपीआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री चंद्रमौली शुक्ला सहित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान और उद्यमी मौजूद रहे। किसान, महिला और टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों को किया सम्मानित मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्नत एवं नवाचारी किसानों, 22 महिला किसानों और टीबी मुक्त 148 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को सम्मानित किया। इनमें वे किसान भी शामिल हैं, जिन्होंने नवाचार करके खेती में आमूल-चूल परिवर्तन किया है। प्रदर्शनी का अवलोकन मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में विभिन्न कृषि उत्पादों के साथ आधुनिक तकनीकों के कृषि यंत्रों को प्रदर्शित किया गया।

शॉर्ट न्यूज

बस चालक ने बाइक सवार को 500 मीटर तक घसीटा

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। एक बस ड्राइवर ने दो बाइक सवारों को टक्कर मार दी और फिर उन्हें करीब 500 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। बाइक सवार जोर-जोर से चिल्लाकर मदद मांगते रहे। वहीं रास्ते में चल रहे लोग भी बस को रोकने के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन ड्राइवर बस को तेज रफ्तार में भगाता रहा। यह हादसा रविवार सुबह 10 बजे मैहर के एनएच 30 हाईवे पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, पोड़ी गांव के रहने वाले सोनू पटेल (20) और अरुण पटेल (22) मोटरसाइकिल से मैहर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में एक तेज रफ्तार बस (नंबर AS 01 QC 3116) ने पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों युवक बाइक समेत बस के आगे गिर गए। बाइक बस के अगले हिस्से में फंस गई और दोनों युवक भी उसी के साथ घिसटते रहे। जब राहगीरों ने पीछा करके बस को रोका, तब जाकर बस रुकी। दोनों बाइक सवार युवक अपनी जान की दुहाई देते हुए बस के आगे वाले हिस्से में फंसे हुए थे।

सौतेले पिता ने लूटी नाबालिग बेटी की अस्मत

ग्वालियर। ग्वालियर में एक सौतेले पिता ने अपनी ही 17 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया है। आरोपी बेहद शातिर है, उसने पहले पत्नी को मुरैना स्थित गांव भेज दिया और फिर मौके का फायदा उठाकर घर में अकेली बेटी के साथ गंदी हरकत की। घटना बुधवार रात की है। मां के मुरैना से लौटने के बाद बेटी ने पूरी आपबीती सुनाई। इसके बाद मां बेटी को लेकर आज सुबह भंवरपुरा थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता को भागने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। बता दे भंवरपुरा थाने में 17 साल की नाबालिग किशोरी ने शिकायत कर पुलिस को बताया कि सौतेले पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। पीड़िता के पिता का 15 साल पहले देहांत हो गया था। उसकी मां ने मुरैना के जौरा निवासी एक युवक से शादी की थी। जब पिता का देहांत हुआ था। तब पीड़िता की उम्र सिर्फ दो साल थी। उसने होश संभाला तो आरोपी ही उसका पिता था, लेकिन शुरू से ही वह उस पर बुरी नीयत रखता था। तीन दिन पहले उसकी मां को पिता ने अपने गांव जौरा फसल के काम के लिए भेज दिया था।

मप्र में लव जिहाद रोकने का कानून तो बनाया पर पुलिसिंग फेल

संवाददाता ● भोपाल

लव जिहाद रोकने के लिए सरकार ने कानून तो बनाया पर कमजोर पुलिसिंग के कारण उसका प्रभाव नहीं दिख रहा। भोपाल में ही निजी कॉलेज की हिंदू लड़कियों को मुस्लिम समुदाय के लड़कों ने पहचान छुपाकर बरगलाया। दैहिक शोषण किया। यह कोई एक व्यक्ति का मामला नहीं बल्कि संगठित अपराध था। इसमें कई लोग शामिल थे। इसके बाद भी पुलिस को कोई भनक नहीं लगी। दरअसल, ऐसे मामलों में कमजोर कड़ी पुलिस व्यवस्था ही है।

घटना

पुलिसकर्मियों के साथ ही अभद्रता की न तो उनका खुफिया तंत्र ठीक से काम कर रहा है और न ही सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर के तौर-तरीकों से ही पुलिसकर्मी वाकिफ हैं। पुलिस का खौफ इस कदर कम हो चुका है कि मात्र मार्च-अप्रैल में ही आठ मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें पुलिसकर्मियों के साथ ही अभद्रता की गई। दरअसल राजधानी भोपाल में युवतियों के दैहिक शोषण और ब्लैकमेल करने जैसी घटनाओं को कुछ लोग संगठित रूप से अंजाम देते रहे और पुलिस को भनक तक नहीं लगी। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में भी आरोपितों के विरुद्ध धार्मिक स्वातंत्र्य कानून 2021 के अंतर्गत धारा तीन और धारा पांच के अंतर्गत भी प्रकरण कायम किया है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में अब तक पांच पीड़िताएं सामने आई हैं। पांच आरोपित गिरफ्तार हुए हैं। घटनाक्रम से साफ लग रहा है कि आरोपितों ने पीड़िताओं को योजनाबद्ध तरीके से फंसाया और दुष्कर्म किया, पर ऐसे साक्ष्य भी मिले हैं कि वे उनका धर्म परिवर्तन भी कराना चाहते थे। उन्होंने लड़कियों को मांस खिलाया। बुरका पहनने के लिए दबाव बनाया। इसी कारण यह मामला लव जिहाद से जोड़ा जा रहा है। आरोपित अलग-अलग राज्यों के हैं। इस कारण यह भी आशंका है कि इनके पीछे दूसरे राज्यों के कुछ और लोग हो सकते हैं जो आरोपितों की मदद कर रहे हों। पुलिस इस दिशा में भी जांच कर रही है।

200 से ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं

इसी वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक कार्यक्रम में नाबालिग बेटियों को बहला-फुसलाकर दुष्कर्म करने वालों के लिए फांसी की सजा का प्रविधान करने की बात कही थी। इसके पहले पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी कड़ी कार्रवाई की बात कह चुके हैं। धार्मिक स्वातंत्र्य काननू के अंतर्गत प्रदेश में अभी तक 200 से अधिक प्रकरण कायम किए जा चुके हैं, पर अपराधियों में काननू का डर नहीं दिख रहा।

उज्जैन में बड़ी लूट... रेलवे टिकट रूम में घुसा बदमाश

संवाददाता ● उज्जैन

उज्जैन में माधव नगर रेलवे स्टेशन पर शनिवार शाम को एक सनसनीखेज लूट की वारदात हो गई। टिकट खिड़की कक्ष में बैठे क्लर्क की आंखों में मिर्च पाउडर जाकर एक बदमाश उसके हाथों से 35 हजार रुपये छीन कर ले गया। टिकट विंडो कक्ष का पीछे का दरवाजा खुला था। इससे बदमाश अंदर आया और रुपये लेकर भाग निकला। जीआरपी को सीसीटीवी कैमरों के फुटेज हाथ लगे हैं। इसके आधार पर उसकी तलाश की जा रही है। जीआरपी थाना प्रभारी सोहनलाल पाटीदार ने बताया कि शनिवार को माधव नगर रेलवे स्टेशन की ओर बनी टिकट विंडो कक्ष में क्लर्क यक्षित सोनकर बैठा हुआ था। सोनकर टिकट बिक्री से प्राप्त रुपये गिन रहा था। इस दौरान कक्ष में पीछे के दरवाजे से एक बदमाश घुसा और उसने सोनकर की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर उसके हाथों से 35 हजार रुपये छीन लिए और भाग निकला। सोनकर ने शोर मचाया तब तक बदमाश वहां से भाग निकला था। उसने इसकी जानकारी रेलवे के अधिकारियों और जीआरपी को दी थी। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस को रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में बदमाश के फुटेज हाथ लगे हैं। जिसके आधार पर उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने रात भर कई स्थानों पर दबिश दी है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि अभी तक रुपये लूट कर भागने वाले बदमाश का पता नहीं लगा है। जल्दी उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

NCTE ने पिछले 3 सत्रों से लगा रखा है प्रतिबंध

फैकल्टी के अभाव में बीयू में नहीं शुरू हो पा रहा बी-एड

संवाददाता ● इंदौर

राजधानी भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में फैकल्टी के अभाव में कई कोर्स सुचारू रूप से नहीं चल पा रहे हैं। इस समय सबसे ज्यादा चलने वाला कोर्स बीएड पिछले चार वर्षों से बंद पड़ा है। दरअसल राष्ट्रीय शिक्षक परिषद (एनसीटीई) ने पिछले तीन सत्रों से b.Ed कोर्स के प्रवेश में प्रतिबंध लगा दिया। इसका मुख्य कारण विश्वविद्यालय मैं के इस विभाग में फैकल्टी नहीं होना माना जा रहा है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक ढांचे को अब तक पूरा नहीं कर सका है। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में पिछले 4 साल से शिक्षकों की भर्ती नहीं कर सका है। जानकारी के लिए बतादें कि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के बीएड कोर्स की हर साल 100 सीटें भर जाती थीं, लेकिन चार सत्रों से एनसीटीई ने इस पर रोक लगा रखी है। एनसीटीई ने विश्वविद्यालय को समय दिया था ताकि वह अपने संसाधनों को दुरुस्त कर सके, लेकिन बीयू इस दौरान एक भी फैकल्टी मेंबर की नियुक्ति नहीं कर सका। विश्वविद्यालय ने हर साल आश्वासन पत्र भेजे और शपथ पत्र पर प्रवेश की अनुमति मांगी, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं हुआ। वर्तमान में बीएड डिपार्टमेंट में एक भी स्थाई शिक्षक मौजूद नहीं है, जिससे एनसीटीई की नाराजगी और बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार अब बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय बीए बीएड और बीएससी बीएड कोर्स शुरू करने की तैयारी शुरू की है, जिसके लिए अनुमति के लिए एनसीटीई को पत्र भेजा गया है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि जब बीएड के लिए ही फैकल्टी नहीं है, तो इन नए कोर्सों को अनुमति मिलना भी कठिन होगा। इधर बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रवेश देने की तैयारी शुरू कर दी है।

प्रतिबंध

70 से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने की तैयारी शुरू

इधर बीयू ने सत्र 2025-26 में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स (यूटीडी) में संचालित 70 से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार बीयू से बीएएलएलबी और बीएससीं एग्रीकल्चर पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी (कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) देना अनिवार्य होगा। वहीं यूटीडी में संचालित अधिकतर पाठ्यक्रमों में सीयूईटी और नॉन सीयूईटी (ऐसे छात्र जो सीयूईटी-यूजी व पीजी में शामिल नहीं होंगे) दोनों तरह के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

स्टेट ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में भोपाल की शानदार प्रदर्शन

30 मेडल जीतकर तीसरी चैंपियन ट्रॉफी पर जमाया

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में भोपाल जिले की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 30 पदक जीतकर तीसरी चैंपियन ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इंदौर में एमेच्योर ग्रैपलिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश एवं इंदौर जिला ग्रैपलिंग एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 150 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के नियमों के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में भोपाल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। भोपाल की टीम ने 8 स्वर्ण, 17 रजत और 5 कांस्य पदक हासिल किए। प्रतियोगिता के समापन समारोह में विक्रम पुरस्कार विजेता ओमप्रकाश खत्री, मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष, एवं मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी उपस्थित थे। प्रतियोगिता का संचालन अंतरराष्ट्रीय रेफरी संजय पवार, महासचिव, एमपी ग्रैपलिंग एसोसिएशन, और रेफरी कमिशन अध्यक्ष व मुख्य रेफरी महेश कुमार वर्मा के निर्देशन में किया गया।

45 जिलों में अलर्ट, अगले तीन दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

प्रदेश में आज भी जारी रहेगा बारिश का दौर

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जहां कहीं क्षेत्र में बारिश और ओले पड़ रहे हैं। वहीं कुछ क्षेत्रों में गर्मी भी लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग का कहना है कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के 3 सिस्टम के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में आंधी-बारिश के ओले पड़ रहे हैं। रविवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन-जबलपुर समेत 45 जिलों में अलर्ट है। शनिवार को कई जिलों में बारिश हुई और ओले गिरे। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन के अलावा दो टर्फ भी गुजर रही है। इस वजह से मौसम बदला हुआ है। अगले चार दिन यानी, 7 मई तक प्रदेश में तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है। मध्यप्रदेश में शनिवार को आंधी, बारिश और ओले गिरने के बीच गर्मी का असर भी देखा गया। नरसिंहपुर सबसे गर्म रहा। यहां दिन का तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। रतलाम में 43.4 डिग्री, खरगोन में 42.6 डिग्री, शाजापुर में 42.4 डिग्री और खंडवा में पारा 42.1 डिग्री रहा।बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में पारा 41.1 डिग्री, इंदौर में 40.8 डिग्री, ग्वालियर में 34.1 डिग्री, उज्जैन में 41.4 डिग्री और जबलपुर में 38.9 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 35 डिग्री दर्ज किया गया। सिवनी, छिंदवाड़ा, सीधी, टीकमगढ़, रायसेन और शिवपुरी में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम

अगले 4 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

मौसम विभाग का कहना है कि अगले 4 दिन यानी, 7 मई तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। इस दौरान 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती है। भोपाल में धुलभरी हवा चलने की संभावना है। शनिवार को धुलभरी आंधी ने पूरे भोपाल को अपनी आगोश में ले लिया था।मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में मई के महीने में ही सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है। पिछले 10 साल का ट्रेंड देखें तो कई शहरों में पारा 47-48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। दिन में हीट वेव चलेगी तो रातें भी गर्म रहेंगी। मई में बारिश का भी ट्रेंड रहता है। इस बार मई की शुरुआत में ही मौसम बदला हुआ है। पहले ही दिन कई जिलों में बारिश हुई।

अजय देवगन से 20 गुना कम मिली है वाणी कपूर को फीस

रितेश देशमुख का भी कुछ ऐसा ही है हाल

अजय देवगन की फिल्म रेड 2 सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। फिल्म को मिक्स रिव्यू मिल रहे हैं। फिल्म में अजय के साथ वाणी कपूर और रितेश देशमुख अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। रेड 2 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब ये इंतजार खत्म हो चुका है। खास बात ये है कि अजय की ये फिल्म बहुत ही कम बजट में बनकर तैयार हुई है। रेड 2 सिर्फ 48 करोड़ के बजट में बनकर तैयार हुई है। फिल्म में अजय देवगन की फीस सबसे ज्यादा है। उन्होंने बजट के आधे से थोड़ा कम ही चार्ज किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय देवगन ने फिल्म के लिए 20 करोड़ रुपये चार्ज किए है। फिल्म का ज्यादातर बजट अजय को ही दे दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय ने सिंघम अगेन से कम फीस ली है। अगर अजय के सामने एक्ट्रेस वाणी कपूर की फीस की बात करें तो आप चौंक जाएंगे। उन्होंने रेड 2 के लिए बहुत कम फीस चार्ज की है। वाणी कपूर को अजय देवगन से 20 गुना कम फीस मिली है। उन्हें रेड 2 के लिए सिर्फ 1 करोड़ फीस मिली है। जो बहुत ही कम है। वाणी की तुलना में रितेश देशमुख की फीस थोड़ी ज्यादा है। मगर अजय से उनकी फीस में 5 गुना का फर्क है।

वेव्स भारत के लिए क्रिएटिव कॉन्टेंट में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड बनेगा : अल्लू अर्जुन

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार अल्लू अर्जुन ने कहा कि वेव्स भारत के लिए क्रिएटिव कॉन्टेंट में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड बनेगा। आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन गुरूवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित हो रहे वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 में शामिल हुए। उन्होंने टीवी9 के सीईओ और एमडी बरुण दास द्वारा संचालित 'सीमाओं से परे प्रतिभा' (टैलेंट बियॉन्ड बॉर्डर्स) के विषय पर बात की। यह बहुप्रतीक्षित 'इन कन्वर्सेशन' सत्र स्टारडम, सर्वाइवल और सोल पर बातचीत का एक मूल्यवान मास्टरक्लास रहा। अल्लू अर्जुन ने वेव्स समिट की सराहना करते हुए कहा कि यह स्टोरी टेलिंग के क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, " भारत हमेशा से जीवंत रहा है। अब हमारे पास एक मंच है। मेरा मानना है कि वेव्स भारत के लिए क्रिएटिव कॉन्टेंट में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड बनेगा। " अल्लू अर्जुन ने एक जीवन-बदलने वाली दुर्घटना के बारे में बताया, जिसके कारण उन्हें छह महीने तक फिल्मों से दूर रहना पड़ा था। उन्होंने कहा, " वह विराम जीवन में एक आशीर्वाद की तरह आया। इसने मुझे स्टंट से हटकर विषय के सार की ओर अपना ध्यान केन्द्रित करने के लिए प्रेरित किया। मुझे एहसास हुआ कि जैसे-जैसे आपका शरीर कमजोर पड़ता है, वैसे-वैसे आपकी निपुणता भी बढ़ती जाएगी। और फिर अभिनय मेरा नया क्षेत्र बन गया। "अल्लू अर्जुन ने निर्देशक एटली के साथ अपनी आगामी परियोजना की पुष्टि करते हुए इसे " भारतीय भावनाओं पर आधारित एक विजुअल स्पेक्टेकल" बताया।

फिल्म राम-लीला ने मेरी ज़िंदगी बदल दी : अकांक्षा शर्मा

अभिनेत्री अकांक्षा शर्मा का कहना है कि फिल्म रामलीला देखने के बाद उनकी जिंदगी बदल गयी। केसरी वीरः लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित पीरियड फिल्मों में से एक है। अपनी हिंदी सिनेमा की पहली फिल्म केसरी वीरः लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में, आकांक्षा ने एक जबरदस्त पहली झलक से दर्शकों को चौंका दिया है, जहां वह 'राजल' के किरदार में एक निडर और वीरांगना योद्धा के रूप में नजर आ रही हैं। अकांक्षा ने बताया , मैं एक बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आती हूं। मेरा फिल्मों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं बारहवीं कक्षा में थी। बोर्ड की तैयारी कर रही थी, तभी मैंने राम-लीला देखी और वहीं से सब कुछ बदल गया। तभी मुझे एहसास हुआ कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। मैंने कभी ये सपना देखा नहीं था, लेकिन उस फिल्म को देखकर मेरे अंदर कुछ जल उठा। और अब, मैं यहां हूं, अपनी डेब्यू फिल्म के साथ। मैं खुद को बहुत ही खुशकिस्मत और आभारी मानती हूं कि मुझे राजल जैसा किरदार निभाने का मौका मिला ,जिसकी लड़ाइयां सिर्फ मैदान में नहीं, बल्कि उसके भीतर भी थीं। अकांक्षा अगली बार तेरा यार हूं मैं में नज़र आएंगी, जिसमें उनके साथ अमन इंद्र कुमार हैं। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप ज़वेरी कर रहे हैं। इसके अलावा वह मिलाप ज़वेरी की ही एक और अनटाइटल्ड एक्शन-कॉमेडी फिल्म में भी दिखेंगी।

कियारा ने मेट गाला डेब्यू के लिए भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता को चुना

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने मेट गाला डेब्यू के लिए भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता को चुना है। भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित और समकालीन सितारों में से एक, कियारा आडवाणी, 2025 मेट गाला में अपने बहुप्रतीक्षित डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार है।इस खास मौके पर वह मशहूर भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता की विशेष रूप से तैयार की गई पोशाक पहने नजर आएंगी। इस साल मेट गाला की थीम "सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल" है, जो ब्लैक आइडेंटिटी की सांस्कृतिक विरासत और कलात्मक गहराई को समर्पित है। इस मौके पर कियारा की उपस्थिति भारतीय कारीगरी और वैश्विक फैशन के संगम का प्रतीक बनेगी। गौरव गुप्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त है। उनके डिज़ाइन कान्स से लेकर ऑस्कर तक के रेड कार्पेट पर छा चुके हैं। कियारा के साथ यह सहयोग स्वाभाविक है।उनकी खूबसूरती और गौरव के आर्किटेक्चरल स्टाइल का मेल एक ऐसा लुक पेश करेगा जो सुर्खियाँ बटोरने वाला है। इस डेब्यू के साथ, कियारा आडवाणी उन भारतीय आइकनों की कतार में शामिल हो रही हैं जिन्होंने मेट गाला जैसे प्रतिष्ठित मंच पर देश का प्रतिनिधित्व किया है और एक विशिष्ट भारतीय आवाज़ को फैशन की इस वैश्विक विरासत में शामिल किया है।फैशन के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने वाला है और सभी की निगाहें अब कियारा पर है।

फिल्मों के खलनायक जिनकी सड़ती-गलती लाश मिली

हिंदी सिनेमा के मशहूर विलेन रहे महेश आनंद बीते कई सालों से बीमार चल रहे थे। काम मिलना बंद हो चुका था तो घर में आर्थिक तंगी का वो आलम था कि खाने-पीने के भी लाले पड़े हुए थे। जो बची-खुची सेविंग्स थी, वो भी इलाज में लग चुकी थी। इसके बावजूद किसी तरह बहन से मिलने वाले खर्च से वो शराब पीने की व्यवस्था कर लेते थे। न खाने का ठिकाना था न साफ-सफाई का, ऐसे में बहन ने एक टिफिन वाला लगवा रखा था, जो रोज घर के दरवाजे पर टिफिन लटका दिया करता था। एक कामवाली भी थी, जो आड़े दिन आकर सफाई कर जाती थी। उस रोज पड़ोसियों की नजर महेश के दरवाजे पर पड़ी तो देखा वहां टिफिन इकट्ठा होते जा रहे थे। जब 57 साल का शख्स किसी घर में अकेला हो और ये भी साफ हो कि टिफिन के अलावा उसके पास खाने का कोई दूसरा जरिया नहीं है, तो ये बात खटकनी जरूरी भी थी।

पूजा ने वरुण-मृणाल के साथ लंदन में 'रेट्रो' की स्क्रीनिंग का लिया आनंद

जानीमानी अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ लंदन में 'रेट्रो' की स्क्रीनिंग का आनंद लिया है। पूजा हेगड़े और सूर्या की फिल्म रेट्रो ने एक मई को सिनेमाघरों में दस्तक दी। हालांकि निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज इस मौके पर लोकेश कनागराज के साथ मौजूद रहे, लेकिन पूजा मुख्य स्क्रीनिंग में शामिल नहीं हो सकीं। इसके बावजूद, उन्होंने ग्लासगो, लंदन में फिल्म की एक खास स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया, जहां उनके साथ उनकी

अगली फिल्म हाय जवानी तो इश्क होना है के सह-कलाकार वरुण धवन और मृणाल ठाकुर भी मौजूद थे। पूजा हेगड़े फिल्म रेट्रो में सूर्या के अपोजिट लीड रोल में नजर आ रही हैं। वह रुक्मणि का किरदार निभा रही हैं,जो एक डॉक्टर और उपचारक हैं और हर तरह की हिंसा के खिलाफ हैं। हाल ही में पूजा ने सोशल मीडिया पर इस किरदार के पर्दे के पीछे की झलकियां साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने रुक्मणि को "सबसे पवित्र आत्मा, मासूम लेकिन बुद्धिमान" बताया और कहा, "काश हम सब रुक्कु जैसे बन सकें। रुक्कु बनना मेरी जिंदगी का सबसे मज़ेदार अनुभव रहा।" रेट्रो के साथ पूजा हेगड़े ने अपने करियर में एक और दमदार फिल्म जोड़ ली है,और ऐसा लगता है कि वह रुकने के मूड में नहीं हैं। फिलहाल पूजा यूके में हैं, जहां वह अपनी अगली बॉलीवुड फिल्म हाय जवानी तो इश्क होना है की शूटिंग कर रही हैं, जिसमें उनके साथ वरुण धवन हैं।

अक्षय की फिल्म 'हाउसफुल 5' का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'हाउसफुल 5' का टीजर रिलीज हो गया है। बॉलीवुड फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त जल्द ही बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है।इस बीच मेकर्स ने हाउसफुल 5 का धमाकेदार टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है।

टीजर की शुरुआत में एक क्रूज समंदर के बीच चलता नजर आता है। क्रूज पर गाना-बजाना चल रहा है, कि तभी अक्षय कुमार की एंट्री होती है और उनके बाद रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस,सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े,चित्रांगदा सिंह, डीनो मोरिया,चंकी पांडे, जॉनी लीवर, निकितेन धीर,सौंदर्या शर्मा, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर को दिखाया जाता है। अचानक झूमर के ऊपर से एक लाश आकर गिरती है। मर्डर करने वाला हत्यारा मास्क पहने नजर आता है।

पूरे टीजर में शुरूआत से लेकर अंत तक फिल्म का गाना 'लाल परी' बजता रहता है अक्षय कुमार ने टीजर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर शेयर किया और लिखा- 'आज से 15 साल पहले...पागलपन शुरू हुआ! भारत की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी 5वीं फिल्म के साथ वापस आ गई है, और इस बार यह सिर्फ खलबली और कॉमेडी नहीं है... बल्कि एक किलर कॉमेडी है! यहां पेश है हाउसफुल 5 का टीजर! फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'

शाहरुख खान को ध्यान में रखते हुए फिल्म डॉन लिखी थी : फरहान अख्तर

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार फरहान अख्तर का कहना है कि उन्होंने शाहरुख खान को ध्यान में रखते हुए फिल्म डॉन लिखी थी, और वे खुद मूल फिल्म के बहुत बड़े प्रशंसक थे। फरहान अख्तर विश्व श्रव्य दृश्य विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 में गौरव कपूर द्वारा संचालित "द क्राफ्ट ऑफ डायरेक्शन" नामक मास्टरक्लास में आकर्षण का केन्द्र रहे और उन्होंने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। इस सत्र ने एक कहानीकार के रूप में फरहान अख्तर के व्यक्तिगत अनुभवों की एक अंतरंग झलक पेश की, जिसमें सिनेमा के विकास, निर्देशन की चुनौतियों और फिल्म निर्माण में प्रामाणिकता की आवश्यकता का जिक्र हुआ। फरहान ने बातचीत की शुरुआत करते हुए, वेव्स को "एक बहुत ही सशक्त आयोजन" बताते हुए कहा कि उनकी सृजनात्मक जड़ों को देखकर यह प्रतिबिंबित होता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें गायन और अभिनय से लेकर निर्देशन तक के अपने बहुमुखी करियर का कोई विशेष पहलू पसंद है, तो उन्होंने इसकी तुलना "पसंदीदा बच्चे को चुनने" से की, यह स्वीकार करते हुए कि एक शांत पसंद हो सकती है, हर भूमिका का अपना आनंद होता है। फरहान ने डॉन के बारे में बताया कि ट्रेन में सफर के दौरान मूल स्कोर सुनते समय उन्हें यह विचार कैसे आया। चुनौती फिल्म को फिर से बनाना नहीं था, बल्कि फिर से इसकी कल्पना करना था। मैं डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं... को क्या नया अर्थ दे सकता था? यही असली परीक्षा थी।उन्होंने कहा कि उन्होंने शाहरुख खान को ध्यान में रखते हुए फिल्म लिखी थी, उन्होंने कहा कि वे खुद मूल फिल्म के बहुत बड़े प्रशंसक थे।

रचनात्मक जोखिम उठाना आवश्यक : एकता कपूर

बॉलीवुड की जानीमानी फिल्मकार एकता कपूर ने कहा कि रचनात्मक जोखिम उठाना आवश्यक है, लेकिन कंटेंट पोर्टफोलियो संतुलित और संरचित होना चाहिए। मुंबई में आज आयोजित वैश्विक फिल्म और स्ट्रीमिंग अर्थव्यवस्था में भारत की उभरती भूमिका पर ब्रेकआउट सत्र में मीडिया और विषय-सामग्री के भविष्य को आकार देने वाली प्रमुख आवाजें एक साथ आईं, जिनमें इरोस नाउ और मजालो (एक्सफिनिट ग्लोबल) के सीईओ विक्रम तन्ना, प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के अध्यक्ष शिबाशीष सरकार, बालाजी टेलीफिल्म्स की संयुक्त प्रबंध निदेशक एकता आर. कपूर और एंड्रॉइड टीवी, गूगल की उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक सुश्री शालिनी गोविल पई शामिल थे। एकता आर. कपूर ने कहा कि एक कहानी जितनी अधिक प्रासंगिक और भावनात्मक रूप से गूंजती है, उतनी ही अधिक संभावना है कि वह अंतरराष्ट्रीय दर्शकों से जुड़ पाएगी। उन्होंने कहा कि दर्द, जुनून और उम्मीद जैसी भावनाएं सार्वभौमिक हैं। उन्होंने कहा कि रचनात्मक जोखिम उठाना जरूरी है, लेकिन निवेश को जोखिम मुक्त करने और प्रतिस्पर्धी इको-सिस्टम में दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए विषय-सामग्री पोर्टफोलियो को संतुलित और संरचित किया जाना चाहिए।

रोमांचक मुकाबले में एक रन से जीता केकेआर

एजेंसी ● कोलकाता

केकेआर ने सांसें रोक देने वाले रोमांचक मुकाबले में राजस्थान को एक रन से हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें कायम रखी है। इस मैच में रियान पराग ने राजस्थान के लिए शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हराया। केकेआर और राजस्थान के बीच यह मुकाबला बेहद करीबी रहा और आखिरी में कोलकाता में टीम महत्वपूर्ण जीत दर्ज करने में सफल रही। केकेआर ने इस तरह प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें कायम रखी है। केकेआर ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और आंद्रे रसेल की तूफानी पारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 206 रन बनाए। जवाब में राजस्थान के लिए कप्तान रियान पराग ने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 205 रन ही बना सकी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 71 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए। इसके बाद रियान पराग ने शिमरॉन हेटमायर के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की और टीम को मुश्किल से उबारा। रियान ने इस दौरान मोईन अली के ओवर पर लगातार पांच छक्के लगाए। इस साझेदारी को हर्षित राणा ने हेटमायर को आउट कर तोड़ा जो 29 रन बनाकर आउट हुए। इसके कुछ देर बाद हर्षित ने रियान को भी अपना शिकार बनाया। रियान शतक पूरा नहीं कर सके और 95 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 22 रन चाहिए थे और क्रीज पर इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे शुभम दुबे और जोफ्रा आर्चर मौजूद थे। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने वैभव अरोड़ा को गेंद थमाई। आर्चर ने पहली गेंद पर दो रन और दूसरी गेंद पर एक रन लिया। स्ट्राइक पर आए शुभम ने तीसरी गेंद पर छक्का और चौथी गेंद पर चौका लगाया। इसके बाद पांचवीं गेंद पर छक्का लगाया। अब राजस्थान को एक गेंद पर तीन रन चाहिए थे। वैभव की गेंद पर शुभम ने एक रन चुराया और दूसरा रन लेने के लिए भागे, लेकिन रिंकू सिंह के थ्रो पर रन आउट हो गए। इस तरह केकेआर ने रोमांचक जीत दर्ज की।

राजस्थान के लिए यशस्वी जायसवाल ने 34 रन बनाए, जबकि शुभम दुबे 14 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 25 रन बनाकर नाबाद लौटे। आर्चर 12 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने चार रन बनाए और कुणाल सिंह राठौर, ध्रुव जुरेल और वानिंदु हसरंगा खाता भी नहीं खोल सके। केकेआर की ओर से मोईन, हर्षित और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिए, जबकि वैभव को एक विकेट मिला।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग शतक से चूक गए और हर्षित राणा ने उन्हें आउट कर केकेआर को बड़ी सफलता दिलाई। रियान 45 गेंदों पर छह चौके और आठ छक्कों की मदद से 95 रन बनाकर आउट हुए। रियान की पारी की मदद से ही राजस्थान मुश्किल परिस्थिति से उबर सका, लेकिन हर्षित ने राजस्थान को बड़ा झटका दिया। हर्षित राणा ने शिमरॉन हेटमायर को आउट कर राजस्थान को छठा झटका दिया। हेटमायर और रियान पराग के बीच छठे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी हुई। राजस्थान एक समय मुश्किल स्थिति में दिख रही थी, लेकिन रियान और हेटमायर ने टीम को मुश्किल से उबारा। हेटमायर 23 गेंदों पर एक चौका और छक्के की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। रियान पराग और शिमरॉन हेटमायर की शानदार साझेदारी की मदद से राजस्थान का स्कोर 150 के पार पहुंच गया है। रियान और हेटमायर के बीच छठे विकेट के लिए 80 से अधिक रनों की साझेदारी हो चुकी है।

राजस्थान ने 15 ओवर की समाप्ति के बाद पांच विकेट पर 155 रन बना लिए हैं। केकेआर के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान का स्कोर 100 के पार पहुंच गया है। राजस्थान ने 12 ओवर की समाप्ति के बाद दो विकेट पर 102 रन बना लिए हैं। क्रीज पर फिलहाल कप्तान रियान पराग और शिमरॉन हेटमायर मौजूद हैं। राजस्थान को जीत के लिए अब 48 गेंदों पर 105 रन की जरूरत है। वरुण चक्रवर्ती ने शानदार गेंदबाजी करते हुए राजस्थान को एक ही ओवर में दो झटके दिए। वरुण ने पहले जुरेल को बोल्ड किया और फिर हसरंगा को भी खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। राजस्थान ने इस तरह 71 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए हैं।वरुण चक्रवर्ती ने ध्रुव जुरेल को खाता खोले बिना आउट किया। राजस्थान ने 71 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए हैं।

वरुण ने जुरेल को बोल्ड किया। मोईन अली ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर राजस्थान को तीसरा झटका दिया है। यशस्वी और रियान पराग के बीच अच्छी साझेदारी चल रही थी और दोनों बल्लेबाज तीसरे विकेट के लिए 58 रन जोड़ चुके थे, लेकिन मोईन ने इस साझेदारी को तोड़ा। यशस्वी 21 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुए। यशस्वी जायसवाल और रियान पराग की शानदार साझेदारी की मदद से राजस्थान का स्कोर 50 रन के पार पहुंच गया है। राजस्थान को पावरप्ले में दो झटके लगे, लेकिन टीम छह ओवर की समाप्ति के बाद दो विकेट पर 59 रन बनाने में सफल रही। यशस्वी और रियान के बीच 24 गेंदों पर 50 रनों की साझेदारी हो चुकी है। मोईन अली कुणाल को आउट कर राजस्थान को दूसरा झटका दिया। कुणाल खाता खोले बिना आउट हुए। राजस्थान की शुरूआत अच्छी नहीं रही है और उसने आठ रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए हैं।

आरसीबी की आठवीं जीत, चेन्नई को दो रन से हराया

लुंगी एनगिडी को तीन विकेट मिले

एजेंसी ● बेंगलुरु

रोमांचक मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को दो रन से हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इस जीत ने आरसीबी को 16 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया है। वहीं, सीएसके नौवीं शिकस्त के साथ 10वें पायदान पर मौजूद है। शनिवार को चिन्नास्वामी में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 213 रन बनाए। जवाब में सीएसके निर्धारित ओवर में पांच विकेट गंवाकर 211 रन बना सकी। उनके लिए आयुष म्हात्रे ने 94 और रवींद्र जडेजा ने 77* रन बनाए। वहीं, आरसीबी के लिए लुंगी एनगिडी ने तीन जबकि क्रुणाल पांड्या और यश दयाल ने एक-एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई ने 58 के स्कोर पर दो विकेट खो दिए थे। शेख रशीद 14 और सैम करन पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आयुष म्हात्रे को रवींद्र जडेजा का साथ मिला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 गेंदों में 114 रन की साझेदारी हुई। 17 वर्षीय बल्लेबाज ने 48 गेंदों में 94 रन

बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से नौ चौके और पांच छक्के निकले। वहीं, रवींद्र जडेजा 45 गेंदों में 77 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, महेंद्र सिंह धोनी ने 12 और शिवम दुबे ने आठ* रन बनाए जबकि डेवाल्ड ब्रेविस खाता भी नहीं खोल पाए।

इससे पहले जैकब बेथेल और विराट कोहली ने आरसीबी को अच्छी शुरूआत दिलाई थी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी हुई। मथीशा पथिराना ने बेथेल को अपना शिकार बनाया। वह 33 गेंदों में 55 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान उन्होंने आठ चौके और दो छक्के ठोके। वहीं, किंग कोहली 33 गेंदों में 62 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आखिरी ओवरों में रोमारियो शेफर्ड ने धमाल मचाया। उन्होंने महज 14 गेंदों में 53* रन बनाए। उनके लिए देवदत्त पडिक्कल ने 17, रजत पाटीदार ने 11 और जितेश शर्मा ने सात रन बनाए। वहीं, टिम डेविड दो रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई के लिए मथीशा पथिराना ने तीन विकेट झटके जबकि नूर अहमद और सैम करन ने एक-एक विकेट हासिल किया।

डेवाल्ड ब्रेविस को भी लुंगी एनगिडी ने अपना शिकार बनाया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। अब क्रीज पर महेंद्र सिंह धोनी आए हैं।लुंगी एनगिडी ने आयुष म्हात्रे को आउट करके सीएसके को तीसरा झटका दिया। वह 94 रन बनाकर आउट हुए। अब क्रीज पर डेवाल्ड ब्रेविस आए हैं।रवींद्र जडेजा ने 29 गेंदों में पचासा जड़ा है। वह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं और आयुष म्हात्रे के साथ 90 से ज्यादा रनों की साझेदारी निभा चुके हैं।आयुष म्हात्रे ने 25 गेंदों में शानदार अर्धशतक जड़ा है। वह रवींद्र जडेजा के साथ 30 से ज्यादा रनों की साझेदारी निभा चुके हैं।आयुष म्हात्रे और शेख रशीद ने चेन्नई को इस मैच में अच्छी शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी हुई। क्रुणाल पांड्आ ने शेख रशीद को आउट किया। वह 14 रन बना सके। इसके बाद लुंगी एनगिडी ने 58 के स्कोर पर सैम करन को आउट किया। वह सिर्फ पांच रन बना सके। फिलहाल क्रीज पर आयुष और रवींद्र जडेजा मौजूद हैं। सात ओवर के बाद स्कोर 68/2 है।जैकब बेथेल और विराट कोहली के बाद रोमारियो शेफर्ड की अर्धशतकीय पारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने चेन्नई सुपर किंग्स के सामने 214 रन का लक्ष्य रखा है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 213 रन बनाए।

उनके लिए रोमारियो शेफर्ड ने आखिरी दो ओवरों में धमाल मचाया। वह महज 14 गेंदों में से सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले संयुक्त तीसरे बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने पैट कमिंस और केएल राहुल की बराबरी कर ली। वहीं, सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल हैं, जिन्होंने 13 गेंदों में यह कारनामा किया है।पथिराना को तीसरी सफलता रजत पाटीदार के रूप में लगा। वह सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। अब टिम डेविड का साथ देने रोमारियो शेफर्ड आए हैं।नूर अहमद ने जितेश शर्मा को पवेलियन की राह दिखाई। वह सिर्फ सात रन बना सके। अब क्रीज पर पाटीदार का साथ देने टिम डेविड आए हैं।

मैनर सोलोमन के स्टॉपेज टाइम में किए गए विजयी गोल की मदद से लीड्स यूनाइटेड ने प्लायमाउथ आगीर्ले पर 2-1 की नाटकीय जीत के साथ बर्नले को हराकर चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया।

बल्ला बदलने के लिए कहे जाने पर धोनी ने की यह हरकत; कोहली ने खलील को सिखाया सबक

एजेंसी ● बेंगलुरु

आईपीएल 2025 के 52वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मुकाबले में दो रन से हरा दिया। इस जीत के साथ आरसीबी की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। इस मैच में तीन ऐसे पल देखने को मिले, जिसने फैंस का ध्यान खींचा। जब महेंद्री सिंह धोनी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए तो अंपायर ने उनका बल्ला चेक किया। हालांकि, जिस यंत्र से उनके बल्ले की चौड़ाई और मोटाई मांपी गई, वह फिट नहीं हुआ।

ऐसे में धोनी ने अंपायर से वह यंत्र छीन लिया और खुद ही मापने लगे। वहीं, दूसरे खास पल में विराट कोहली ने खलील अहमद को सबक सिखाया। जब पिछली बार दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं तो कोहली और खलील के बीच बहस देखने को मिली थी। अब कोहली ने उसका बदला कुछ अलग अंदाज में लिया। वहीं, तीसरे खास पल में 17 साल के सीएसके के ओपनर आयुष म्हात्रे ने भुवनेश्वर कुमार के ओवर की छह गेंद पर छह बाउंड्रीज लगाईं।दरअसल, चेन्नई की पारी के 17वें ओवर में जब धोनी बल्लेबाजी के लिए आए तो फील्ड अंपायर ने उनका बल्ला चेक किया। हालांकि, वह यंत्र धोनी के बल्ले में फिट नहीं हुआ। इससे पहले सीएसके के पिछले 10 मैच में ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला था और धोनी का बल्ला उस यंत्र के पैमाने पर एकदम ठीक साबित हुआ था। हालांकि, इस मैच में ऐसा नहीं हुआ। बार-बार चेक करने पर जब यंत्र बल्ले के आरपार नहीं हुआ तो अंपायर ने उन्हें बल्ला बदलने के लिए कहा। इस पर धोनी और रवींद्र जडेजा ने डग आउट की तरफ भी देखा। फिर धोनी ने खुद ही अंपायर के हाथ से वह यंत्र लेकर अपना बल्ला चेक करने लगे। काफी जद्दोजहद के बाद वह यंत्र बल्ले के आरपार हो गया। अंपायर ने फिर ऐसा करने की कोशिश की और दो तीन बार आर पार होने के बाद अंपायर ने उसी बल्ले से धोनी को खेलने की इजाजत दे दी। हालांकि, माही आठ गेंद में सिर्फ 12 रन ही बना सके।

वहीं, चेन्नई और बेंगलुरु की टीम जब इस सीजन पिछली बार चेपॉक में भिड़ी थी तो खलील और कोहली के बीच बहस होते हुए देखा गया था। उसका वीडियो देखने के बाद ऐसा लगा था कि कोहली खलील की किसी हरकत से नाखुश थे और उन्होंने अगली बार सामने आने की चुनौती दी थी। बाद में उस घटना का खुलासा हुआ था कि खलील कोहली को अंपायर द्वारा आउट दिए जाने से पहले ही जश्न मनाने लगे थे। बाद में कोहली ने इस हरकत पर नाराजगी जताई थी। खलील उस पूरी घटना के दौरान कोहली को सफाई देते देखे गए थे।

क्रिकेट के मैदान में एक और खिलाड़ी की मौत, साथी प्लेयर ने गर्दन पर मारा बैट

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर थाना अहार क्षेत्र के गांव रसूलपुर के मैदान में क्रिकेट खेलने के दौरान हुए विवाद में खिलाड़ी की बैट से वारकर हत्या कर दी। गंभीर हालत में परिजन खिलाड़ी को लेकर चिकित्सक के पास पहुंचे, लेकिन चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि गांव रसूलपुर निवासी 19 वर्षीय शक्ति भाटी रविवार की सुबह करीब 10 बजे गांव के एक स्कूल में साथियों के साथ क्रिकेट खेलने के लिए गया था। इस दौरान आपस में कहासुनी हो गई। एक साथी ने उसकी गर्दन पर बैट मार दिया जिससे वह जमीन पर गिर गया और साथियों ने जिसकी सूचना उसके परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उपचार के लिए ऊंचागांव के एक निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया जहां चिकित्सक ने उसको मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सीईओ अनूपशहर सहित थाना नरसेना, अनूपशहर, जहांगीराबाद, खानपुर और अहार पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स तैनात है।

इंग्लैंड दौरे के लिए कुलदीप यादव का होगा चयन? इंग्लिश परिस्थितियों में निभा सकते हैं अहम भूमिका

नई दिल्ली। भारतीय टीम को आईपीएल 2025 के बाद पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने इंग्लैंड जाना है। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज जून में शुरू होगी। इस सीरीज से ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के अगले चक्र की शुरूआत करेगी। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं जिससे भारत के लिए उनकी जगह किस स्पिनर का चयन करे यह चिंता का विषय है। भारतीय टीम के अनुभवी कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव पर चयनकर्ताओं की नजरें होंगी। भारत के पूर्व चयनकर्ताओं और कोचों का भी मानना है कि कुलदीप इंग्लिश परिस्थितियों में अहम भूमिका निभा सकते हैं और उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए प्राथमिकता मिलनी चाहिए। कुलदीप फिलहाल आईपीएल में हिस्सा ले रहे हैं और दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पूर्व चयनकर्ताओं का मानना है कि रवींद्र जडेजा अपने बेहतर बल्लेबाजी कौशल के कारण पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए पहली पसंद होंगे, लेकिन कुलदीप के टीम में शामिल होने से भारत का स्पिन विभाग और मजबूत हो जाएगा। राष्ट्रीय चयन समिति आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने वाली टीमों की स्थिति स्पष्ट हो जाने के बाद इंग्लैंड दौरे के लिए भारत और ए टीम की घोषणा कर सकती है। प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाने वाली अन्य छह टीमों में शामिल लाल गेंद के विशेषज्ञ खिलाड़ी जल्दी इंग्लैंड के दौरे पर चले जाएंगे जैसा कि पहले भी होता रहा है।

श्रीलंका ने भारत को तीन विकेट से हराया, हर्षिता-निलाक्षिका के अर्धशतक; स्नेह राणा को तीन विकेट

एजेंसी ● कोलंबो

श्रीलंका ने महिला त्रिकोणीय सीरीज में भारत को तीन विकेट से हराकर दूसरी जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने नौ विकेट पर 275 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। मेहमान टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की 48 गेंद पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रन की पारी खेली। हरमनप्रीत कौर (30), प्रतिका रावल (35) और जेमिमा रोड्रिग्स (37) ने भी उपयोगी योगदान दिया।श्रीलंका की तरफ से सुगंधिका कुमारी और कप्तान चामरी अटापट्टू ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके जवाब में श्रीलंका ने 49.1 ओवर में सात विकेट पर 278 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। निलाक्षिका सिल्वा ने 56 रन बनाए। भारत की तरफ से सीनियर ऑफ स्पिनर स्नेह राणा ने 45 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

रियान पराग ने केकेआर के खिलाफ छह गेंदों पर जड़े छह छक्के, हेटमायर के साथ की शानदार साझेदारी

एजेंसी ● अहमदाबाद

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की और छह गेंदों पर छह छक्के जड़ दिए। रियान ने एक ओवर में छह छक्के नहीं लगाए, लेकिन लगातार छह छक्के लगाने में सफल रहे। केकेआर ने इस मैच में राजस्थान के सामने जीत के लिए 207 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में राजस्थान के लिए रियान ने कप्तानी पारी खेली। रियान ने 13वां ओवर डालने आए स्पिनर मोईन अली को निशाना बनाया। मोईन के इस ओवर की पहली गेंद पर शिमरॉन हेटमायर ने एक रन लिया और स्ट्राइक रियान के पास आई।

रियान ने लगातार चार गेंदों पर छक्क लगाया और पांचवीं गेंद वाइड हुई। रियान ने मोईन के ओवर की अंतिम गेंद पर भी छक्का जड़ा। इसके बाद 14वां ओवर डालने वरुण चक्रवर्ती आए और पहली गेंद पर हेटमायर एक रन लिया। फिर स्ट्राइक

रियान के पास थी और उन्होंने वरुण की गेंद पर छक्का लगाया। इस तरह रियान ने लगातार छह गेंदों पर छह छक्के जड़े। रियान अपनी दमदार बल्लेबाजी के चलते विशेष सूची में शामिल हो गए हैं। रियान आईपीएल के एक ओवर में लगातार पांच छक्के जड़ने वाले पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। रियान से पहले क्रिस गेल, राहुल तेवतिया, रवींद्र जडेजा और रिंकू सिंह ऐसा कर चुके हैं। मोईन अली का ओवर केकेआर के लिए काफी महंगा साबित हुआ क्योंकि राजस्थान ने इससे 32 रन निकाले।लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी और टीम ने 71 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद हेटमायर और रियान ने साझेदारी की। हेटमायर और रियान पराग के बीच छठे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी हुई। राजस्थान एक समय मुश्किल स्थिति में दिख रही थी, लेकिन रियान और हेटमायर ने टीम को मुश्किल से उबारा। हालांकि, हर्षित राणा ने हेटमायर को आउट कर राजस्थान को छठा झटका दिया और इस साझेदारी को तोड़ा। हेटमायर 23 गेंदों पर एक चौका और छक्के की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हर्षित ने रियान को भी शतक पूरा नहीं करने दिया। रियान 45 गेंदों पर छह चौके और आठ छक्कों की मदद से 95 रन बनाकर आउट हुए।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, सोमवार, 05 मई, 2025
www.adityabharat.com

डिली, पूर्वी तिमोर। कैथोलिक लोग वेटिकन में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के दौरान तासीटोलू के एस्प्लेनेड में उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। अंतिम संस्कार के दौरान पोप फ्रांसिस को 'लोगों के बीच एक पोप, सभी के प्रति खुले दिल वाले' के रूप में सम्मानित किया गया, जिसमें तीर्थयात्रियों और शरणार्थियों से लेकर शक्तिशाली विश्व नेताओं और राजघरानों तक 400,000 शोक मनाने वाले लोग रोम आए थे।

शॉट न्यूज

तमिलनाडु के मछुआरों की बोट पर हमला, 17 घायल

चेन्नई। तमिलनाडु के मछुआरों को एक बार फिर से श्रीलंका के लुटेरों ने निशाना बनाया है। अक्कराईपेट्टई के सेरुधुर गांव के 30 मछुआरे अपने बोट से शुक्रवार को कोडियाकरई के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में मछली पकड़ने गए थे। तभी एक तेर रफ्तार वाली लुटेरों की बोट उनके सामने आ गई, जिनमें छह लोग सवार थे. इन लुटेरों के पास धारधार हथियार थे, जिससे वह मछुआरों पर हमला करना शुरू कर दिया। इस हमले में 17 मछुआरे घायल हो गए, जिनका इलाज सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है। श्रीलंकाई लुटेरों ने हमले के साथ लूटपाट भी की। लुटेरे जीपीएस डिवाइस, मछली पकड़ने के जाल और अन्य सामान को चुराकर ले गए। मछुआरों के अनुसार, उन्हें करीब 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। यह हमला भारक के समुद्री सीमा के अंदर ही हुआ है, जो अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है।

पाकिस्तान ने चीन से मांगे 40 वीटी-4 टैंक

नई दिल्ली। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत की सख्ती से पाकिस्तान बुरी तरह घबराया हुआ है और अपनी जान बचाने के लिए चीन से 40 VT-4 टैंक मंगाकर वह अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारत के सामने पाकिस्तान अब चीन और खाड़ी देशों से मदद की भीख मांग रहा है। इसी दौरान, पाकिस्तान ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए चीन से 40 VT-4 टैंकों का ऑर्डर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीन के राजदूत जियांग झैडोंग से मुलाकात कर भारत से बढ़ते तनाव पर चर्चा की और उनसे सैन्य मदद मांगी। पाकिस्तान को डर सता रहा है कि भारत के साथ जमीनी जंग में उसके टैंक भारतीय हथियारों का मुकाबले में कुछ भी नहीं हैं और वे भारत का सामना नहीं कर पाएंगे। भारत की सैन्य क्षमता पाकिस्तान के मुकाबले बहुत मजबूत है।

पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों की सरगर्मी से तलाश

मूसा को कश्मीर से निकालने की फिराक में पाक

जिंदा पकड़ना चाहता है भारत

एजेंसी ● नई दिल्ली

पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों की तलाश की जा रही है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, वे सभी पहलगाम से 30 किलोमीटर के दायरे में ही छिपे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट के अनुसार आतंकी क्षेत्र से बाहर निकलने का हर कोशिश कर रहे हैं। पाकिस्तान भी इन्हें यहां से निकालने की फिराक में है। यह भी संभावना है कि गुफाओं में छिपे इन आतंकियों के पास अब कुछ ही दिनों का खाना बचा हुआ है। इसके बाद ये भूख से तड़पेंगे और बाहर निकलेंगे। पाक हैंडलरों ने आतंकियों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय मददगारों से भी संपर्क किया है। वहीं आतंकियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान में शामिल सुरक्षा बल आश्वस्त हैं कि अगले कुछ दिनों में आतंकियों की सटीक लोकेशन ट्रैक कर उन्हें पकड़ लिया जाएगा या वे मुठभेड़ में

तलाश

मार गिराए जाएंगे। सूत्रों की मानें तो एजेंसियां साक्ष्य जुटाने में जुटी हैं। सभी ऑपरेशन पूरी तरह गोपनीय रखे जा रहे। खुफिया इनपुट में इजरायल की एजेंसियां भी मदद कर रही हैं।

आईएसआई के इशारे पर हमला- आतंकियों द्वारा इस्तेमाल किए गए सैटेलाइट फोन का ब्यौरा जुटाने के लिए विदेशी विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है। सबूतों के आधार पर सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह हमला लश्कर-ए-तैयबा ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ही किया है। सूत्रों का दावा है कि सीमा पार बैठे लश्कर कमांडर और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई किसी भी हमले में शामिल हाशिम मूसा को इस इलाके से सुरक्षित निकालने का प्रयास कर रही है। एक अधिकारी ने कहा कि अगर मूसा गिरफ्त में आया तो पाक पूरी तरह बेनकाब हो जाएगा।

गुफाएं बनीं कवच - एजेंसियों को संदेह है कि अनंतनाग जिले के घने जंगल और प्राकृतिक गुफाएं आतंकवादियों के लिए कवच का काम कर रही हैं। बहुत जल्द सटीक लोकेशन पर ऑपरेशन को अंजाम दिया जाएगा। आतंकियों ने कम से कम 15-20 दिन का राशन भी जमा किया होगा। पहलगाम और बैसरन में व इसके आस-पास के इलाकों में 20 अप्रैल से सक्रिय रहे सभी मोबाइल फोन के डेटा की जांच हो रही है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से ही सुरक्षा एजेंसियां बेहद सतर्क हैं और संदिग्ध आतंकियों को पकड़ने की हर संभव कोशिश में जुटी है। भारत से मिली एकसूचना के बाद आज दोपहर कोलंबो एयरपोर्ट पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले में शामिल छह संदिग्धों के चेन्नई से उड़ान भरकर श्रीलंका पहुंचने की आशंका जताई गई। श्रीलंकाई एयरलाइंस की उड़ान UL122 आज दोपहर 11:59 बजे भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंची, जहां पर उसकी गहन सुरक्षा तलाशी ली गई।

जिंदा पकड़ना पहली प्राथमिकता

सुरक्षा एजेंसियों की कोशिश दहशतगर्दों को जिंदा पकड़ने की है, ताकि जिस तरह से मुंबई हमले में कसाब के पकड़े जाने पर पाकिस्तान बेनकाब हुआ था वैसे ही इस हमले का भी सच दुनिया के सामने आए। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पहलगाम हमले की जांच के साथ राजौरी-पुंछ, बोटापथरी और गगनगीर में हुए सुरक्षाबलों व आम नागरिकों पर हुए हमलों के षड्यंत्र, उनमें शामिल सभी स्थानीय मददगारों के नेटवर्क का खुलासा करना है। साथ ही यह भी पता लगाया जाना है कि राजौरी-पुंछ से कश्मीर के भीतर तक इन आतंकियों का नेटवर्क का मूल स्रोत कहां है।

तनाव के बीच जानबूझकर की ऐसी हरकत

पाक ने अब्दाली बैलिस्टिक मिसाइल का किया परीक्षण

एजेंसी ● इस्लामाबाद

भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने शनिवार को 450 किलोमीटर की दूरी वाली सतह से सतह पर मार करने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण करने का दावा किया है। इस बैलिस्टिक मिसाइल का नाम अब्दाली है, जिसका परीक्षण पाकिस्तान ने सोनमियानी रेंज में किया है। यह परीक्षण संभवतः आर्मी स्ट्रेटेजिक फोर्सेज कमांड (ASFC) के तहत किए गए ऑपरेशनल यूजर ट्रायल का हिस्सा था, जो पाकिस्तान के परमाणु-सक्षम मिसाइल बलों की देखरेख करता है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अब्दाली वेपन सिस्टम के नाम से जानी जाने वाली इस मिसाइल का परीक्षण मिलिट्री ड्रिल 'एक्सरसाइज इंडस' के तहत किया गया है। इस परीक्षण के दौरान पाकिस्तानी सेना के स्ट्रेटेजिक फोर्स कमांड के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद शाहबाज खान और स्ट्रेटेजिक प्लांस डिवीजन के डीजी मेजर जनरल शहरयार परवेज बट भी मौजूद थे। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की कूटनीतिक कार्रवाइयों के बाद, पाकिस्तान लगातार NOTAM जारी कर रहा है, जो मिसाइल परीक्षण का संकेत देता है। इन नोटिसों को भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान का जानबूझकर किया गया बल प्रदर्शन माना जा रहा है।

पहलगाम हमला : पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला का दावा

आतंकियों को मिला स्थानीय लोगों का साथ

एजेंसी ● श्रीनग

पहलगाम आतंकी हमले पर एक बार फिर नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि इतना बड़ा और इतना गंभीर आतंकी हमला बिना लोकल सपोर्ट के हो ही नहीं सकता। इसमें जरूर अंदर वाले लोगों का हाथ होगा। वहीं, उन्होंने दावा किया कि मसूद अजहर को छोड़ना भारत की गलती थी।

दावा

फारूक अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं नहीं समझता हूं कि ये चीजें हो सकती हैं, जब तक कोई उनका साथ नहीं देगा। आतंकी वहां से आए और किस तरह आए? बैस रन घाटी, जहां आतंकी हमला हुआ था, उसकी दूरी LoC से करीब 150 किलोमीटर है। ऐसे में एजेंसियों और डिफेंस एक्सपर्ट्स का भी यही मानना है कि स्थानीय लोगों की मदद के बिना आतंकियों का इतने अंदर तक

आना संभव नहीं हो सकता। एनआईए की जांच में भी ओवरग्राउंड वर्कर्स का हाथ होने की आशंका जताई गई। आतंकियों के लिए यह नई जगह थी, इसलिए बिनना मदद के वो न ही सुरक्षित ठिकाना ढूंढ सकते थे और न ही लॉजिस्टिक सपोर्ट पा सकते थे। इस आतंकी हमले में लश्कर के टॉप कमांडर फारूक अहमद का हाथ होने का भी दावा किया जा रहा है। दावा है कि फारूक अहमद ने ओवरग्राउंड वर्कर्स का नेटवर्क तैयार किया, जिसके जरिए वो आतंकियों को देश में घुसने में मदद करता है।

सरकार को जल्द निर्णय लेना चाहिए

फारुक अब्दुल्ला ने कहा, "हम बीते 35 साल से आतंकवाद झेल रहे हैं, अब इसे खत्म करना ही होगा. बहुत हो गया, आखिर कब तक छाती पीटते रहेंगे? उन्होंने कहा, "आतंकवाद को खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरुरत है और सरकार को जल्द निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से कैसे निपटा जाए, यह प्रधानमंत्री अच्छी तरह से जानते हैं। महबूबा मुफ्ती के एक बयान पर फारुक अब्दुल्ला ने टिप्पणी करने से इनकार किया क्योंकि उनका निशाना प्रधानमंत्री पर होता है। उन्होंने कहा, मैं ऐसी कोई बात नहीं करुंगा। आज पूरा देश प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है और उम्मीद है कि वह ऐसा कदम उठाएंगे जिससे आतंकवाद का अंत हो सके। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के बयान पर फारुक अब्दुल्ला ने कहा, "उनसे कहिए कि थोड़ा इंतजार करें, सब्र रखने में ही सब कुछ होगा।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)